INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय
RNI-UPHIN/2023/85053

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा-071/2022-24
डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220

Sweety BY MR GROUP Presents

Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-104 | मथुरा, सोमवार, 9 जून 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

पेज-10

नैनीताल जा रही कार खड़े ट्रक से टकराई

पेज-11

खुलासा : पत्नी सोनम ने ही कराई राजा रघुवंशी की हत्या, चार गिरफ्तार

पेज-12

आगरा में बाबा साहब का एआई से बनाया ऐसा वीडियो, मच गया बवाल

महापौर एवं नगर आयुक्त ने किया पार्षदों के साथ मंथन

धार्मिक पर्यटन को नई उड़ान देगा वृंदावन कॉरिडोर

पार्षदों को संबोधित करते महापौर विनोद अग्रवाल। साथ में नगर आयुक्त जगप्रवेश आदि और नगर निगम की बैठक में मौजूद पार्षद।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम के महापौर विनोद अग्रवाल की अध्यक्षता में ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर कॉरिडोर को लेकर समेत विशेष बिन्दुओं को लेकर आज एक होटल में विचार विमर्श किया गया। कई विकास कार्यो को पार्षदों से साझा किया। महापौर की बातों को सुनकर वृंदावन के पार्षद घनश्याम चौधरी व दो तीन पार्षद ने तू–तू, मैं–मैं शुरू कर दी। पार्षद धनश्याम चौधरी ने कहा कि महापौर ये बात कह रहे है कि वह दुकान दिलावाएंगे। कितनी दुकानें दिलवा दी जाएंगी। इन लोगों ने अपनी जान से प्यारी रखी थी उन्होंने कहा कि हम लोग सुप्रीम कोर्ट से आगे तो कोई नहीं है, लेकिन कुछ गुमराह कर रहे हैं जैसे महापौर ने कहा है। महापौर ने सभी पार्षदों से नगर आयुक्त जग प्रवेश का परिचय कराया। नगर आयुक्त ने कहा कि उनको ठाकुर बांकेबिहारी महाराज ने सेवा करने का मौका दिया है। वह इस सेवा को पूरी ईमानदारी से निभाएंगे। ऐसा सेवा करने का मौका तो भाग्यशाली को मिलता है। धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन की दृष्टि से विश्व प्रसिद्ध ब्रजभूमि के हृदय मथुरा के विकास को एक नई दिशा मिलेगी। वह इस पावन नगरी के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोडेंगे। कहा कि शहर के लोग जलभराव से परेशान है, उस समस्या का समाधान करने के प्रयास कर रहे है। नगर आयुक्त ने सरकार ने कॉरिडोर बनाने की घोषणा की है। इससे पूरे जनपद का विकास होगा एक नई पहचान मिलेगी। इसमें सभी लोगों का ध्यान रखा जाएगा कुछ लोग कॉरिडोर को लेकर अफवाह फैला रहे हैं। उनकी बातों में किसी को नहीं आना चाहिए। पार्षदों से बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर के लिए समर्थन मांगते हुए महापौर विनोद अग्रवाल ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की पावन स्थली पर देश विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते है। इस भीड़ भाड़ को देखकर फिर दुबारा उन लोगों की हिम्मत नहीं करती है क्योंकि भीड़ का दबाव इतना हो जाता है, कि लोग सांस भी नही ले पाते है। कहा कि मंदिर के सेवायत गोस्वामियों के प्रशासन से बिहारी पुरा में मकानों के लिए व्यवस्था कराने के लिए प्रस्ताव रखा जाएगा। इस कॉरिडोर से किसी की भावना को ठेस पहुंचाना नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं की सुविधा व क्षेत्रीय विकास को होगा। बैठक में कहा कि "कॉरिडोर निर्माण विकास का प्रतीक है, परंतु यह तभी संभव है जब जनता का विश्वास और पार्षदों का सहयोग प्राप्त हो। बैठक में पार्षद दल के नेता बालकृष्ण चतुर्वेदी, धर्मेंद्र सिंह, गोवर्धन सिंह राजपूत, ओमवती, लक्ष्मी चौधरी, सुखवीर सिंह, राजवीर सिंह, मुनेश, राजवीर सिंह, तेजवीर सिंह, नीरज वशिष्ठ, प्रदीप धनगर, बंटी सैनी, राकेश भाटिया, दिनेश चौधरी, संजीव कुमार गुर्जर, राजेंद्र प्रसाद, दिनेश, धीरेंद्र सिंह, राकेश यादव, यतेंद्र, कुलदीप पाठक, जितेंद्र सिंह, अंकुर गुर्जर, संतोष पाठक, लक्ष्मण सैनी, सुभाष यादव, रूप किशोर एवं अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार त्यागी आदि उपस्थित थे।

रिश्वत में गिरफ्तार दरोगा व दीवान की नहीं हो सकी जमानत

कार्यालय संवाददाता

डीजे कोर्ट मे आज जमानत पर होनी थी सुनवाई

अब 13 जून को होगी इस मामले में सुनवाई

यूनिक समय, मथुरा। रिश्वत लेने के एक मामले में जिला कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद दारोगा और दीवान की जमानत पर आज भी सुनवाई नहीं हो सकी। इस मामले में कोर्ट 13 जून को सुनवाई करेगा। थाना हाईवे की चौकी मंडी पर तैनात दरोगा विदित कुमार और हैड कांस्टेबल दिलीप सिंह महेंद्र नगर में हुई एक फायरिंग की घटना में आरोपित सचिन को गिरफ्तार किया था। उसे मुठभेड़ में गोली मारकर घायल करने की धमकी देकर दो लाख रुपये मांगे गए। मामले में 80 हजार रुपये लेकर छोड़ दिया गया। इस मामले में औरंगाबाद निवासी रजनीश उर्फ भूरा ने एसएसपी श्लोक कुमार से की थी। एसएसपी ने इस मामले में जांच कराई गई तो मामला सही पाने पर दरोगा और दीवान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के बाद जेल भेज दिया। इस मामले में आज डीजे कोर्ट में दोनों की जमानत अर्जी पर सुनवाई होनी थी, लेकिन आज सुनवाई न होकर इस मामले में अब 13 जून को सुनवाई होगी।

गाय को जलाने के मामले में तीन भेजे जेल

यूनिक समय, मांट। यमुना एक्सप्रेस वे के सर्विस रोड के सहारे मृत गाय को जलाने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। शनिवार की सुबह कुछ गौ सेवकों को मांट थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस वे के सर्विस रोड पर कैला देवी ढाबे के समीप एक गाय को कुछ लोगों ने कूड़ा करकट डाल कर जला दिया है। जानकारी करने पर पता चला कि गाय दो दिन पहले मर गयी थी, तो कैला देवी ढाबे के स्वामी जमुना प्रसाद निवासी अस्तल ताल व उसके सहयोगी देवी प्रसाद निवासी गांव बहोरे थाना भीरी जिला अंबेडकर नगर व सतेंद्र निवासी सेक्टर 37 फरीदाबाद ने मृत गाय को आग के हवाले कर दिया था। थाना प्रभारी निरीक्षक जसबीर सिंह ने बताया कि राधा रानी गौ सेवा ट्रस्ट भद्रवन के संचालक कृष्णा केशव दास की तहरीर पर रविवार देर रात रिपोर्ट दर्ज कर तीनों आरोपियों को केला मां ढाबे से गिरफ्तार कर एसडीएम कोर्ट में पेश किया। जहां से तीनों को जेल भेज दिया गया।

मथुरा स्थित यमुना में एक युवक छलांग लगाते हुए। अन्य बच्चे गर्मी से निजात पाने के लिए यमुना में नहाते हुए।

उफ गर्मी! बढ़ते तापमान से लोग बिलबिला उठे

भीषण गर्मी में सिर्फ पानी का ही आसरा

मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर गर्मी से परेशान यात्री सेल पंखा की हवा लेते हुए। स्टेशन पर एक महिला यात्री अपने बच्चे को ठंडी फ्रूटी पिलाते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को भीषण गर्मी से लोग बिलबिला उठे। पारा 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के कारण आज भी आसमान से आग के अंगारे से बरसते महसूस किए गए। इस सीजन की अधिकतम गर्मी आज पड़ी। मौसम विभाग से मिल रहे संकेतों को मानें तो आने वाले दिनों में गर्मी लोगों को और सताएगी। इस गर्मी से बचाव का एक ही तरीका है पानी। लोगों को पानी जहां दिख जाता है, वहां ही अपने गले को तर करने के लिए पहुंच जाते हैं। नहीं तो पानी से भरी बोतल खरीदकर पीते हैं। घरों में लोग एक बार नहीं, तीन–तीन बार नहा रहे हैं। नहाने के बाद गर्मी की कुछ राहत मिल रही है। बाजार में पानी की बोतल खरीदकर लोग अपने मुंह को पानी से धोकर कुछ राहत महसूस कर रहे हैं। मथुरा और वृंदावन में यमुना के घाटों पर युवकों की चहलकदमी देखी गई। वह घाटों से छलांग लगाकर यमुना में डुबकी लगाकर गर्मी से राहत पाने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ बच्चे तो यमुना जल में काफी देर रहकर गर्मी से छुटकारा पाते देखे गए।

बिजली की लुका छिपी से लोग परेशान

यूनिक समय, मथुरा। बढ़ती गर्मी के बीच बिजली की लुका छिपी का खेल लोगों को रास नहीं आ रहा है। दिन में तो क्या रात में भी बिजली कई–कई बार आ जा रही है। इस कारण रात के वक्त लोगों की नींद में बाधा उत्पन्न हो रही है। मथुरा शहर हो या वृंदावन। इन दोनों क्षेत्रों में विद्युत की समस्या सिर दर्द बन गई है। लोग सरकार को कोस रहे हैं। जन प्रतिनिधि कुछ भी बोलने के लिए तैयार नहीं है। अभी तक किसी जनप्रतिनिधि की आवाज विद्युत संकट पर सुनाई नहीं दी है। हैरानी की बात तो यह है कोई अधिकारी जनता के फोन रिसीव करने को तैयार नहीं है। कस्बा और ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत की अघोषित कटौती से लोगों का हाल बेहाल है। लोगों का कहना है कि कब कितने समय के लिए गुल हो जाए। यह कोई नहीं जानता है। सरकार को गुमराह करने के लिए रजिस्टर में किसी भी प्रकार की कटौती दर्ज नही दिखाई जाती है। रजिस्टर यह गवाही देता है कि सरकार के नियमानुसार विद्युत आपूर्ति हो रही है।

एक मुश्त समाधान योजना लोगों को नहीं आई रास

यूनिक समय, मथुरा। एआईजी स्टाम्प कोर्टो का बोझ कम करने को स्टाम्प मुकदमों के निस्तारण के लिए सरकार द्वारा चलाई गई एक मुश्त समाधान योजना का लाभ लेने के लिए गत तीन माह में 700 लोगों में से मात्र 50 लोगों ने ही हिस्सा लिया। 50 लोगों में से भी 33 लोगों ने अपने मामले निपटाए। एआईजी स्टाम्प ने इनसे 32 लाख 69 हजार 400 रुपये का शुल्क वसूल किया। एआईजी (आर) अर्पिता शर्मा ने बताया कि सरकार ने जनवरी 2025 से लेकर मार्च तक स्टाम्प मामलों के एक मुश्त निस्तारण के लिए एक मुश्त समाधान योजना चलाई थी। योजना का मकसद था कि कोर्ट में चल रहे स्टाम्प ड्यूटी संबंधित मुकदमों का शीघ्र समाधान कर लोगों को लाभ पहुंचाना था। इस योजना के तहत जनपद में प्रॉपर्टी खरीदने वाले उन 700 लोगों को जिनके कम स्टाप संबंधित मामले चल रहे थे। इन लोगों को योजना में शामिल होकर लाभ लेने के लिए नोटिस दिए गए थे। नोटिस दिए जाने के बावजूद तीन माह के अंदर इस योजना में मात्र पचास लोगों ने ही भागीदारी की। मजे की बात यह रही कि इसमें से भी केवल 33 लोगों ने अपने उन मुकदमों को जिन्हे निस्तारण के लिए निंबधन कार्यालय द्वारा एआईजी स्टाम्प

योजना में शामिल होने को 700 लोगों को भेजे गए थे नोटिस

नोटिस के बाद 50 लोगों ने ही लिया था भाग

केवल 33 लोगों ने ही मामलों का कराया निस्तारण

एआईजी स्टाम्प ने 32 .69 लाख रुपये का शुल्क वसूला

कार्यालय में भेजा गया था। आईजी स्टाम्प ने उन पर लगाई गई स्टाम्प ड्यूटी और ब्याज की धनराशि को जमा कराने के बाद इन मामलों को एक मुश्त समाधान योजना के तहत समाप्त कर दिया इसके साथ ही 33 लोगों से 32 लाख 69 हजार 400 रुपये जमा कराए गए।

इस योजना में दिए गए तीन माह के समय के बाद भी इतने कम लोगों ने इस योजना का लाभ उठाया है। इस बारे में बताया गया कि अधिकांश प्रॉपर्टी खरीदने वाले लोग बाहर के हैं। इन लोगों को नोटिस भेजे गए थे, लेकिन बाहर होने और समय न मिलने के कारण अधिकांश लोग योजना में शामिल नहीं हो सके।

एक शाम शहीदों के नाम कवि सम्मेलन में कवियों ने भरा जोश

एक शाम शहीदों के नाम कवि सम्मेलन का शुभारंभ करते पदाधिकारी।

यूनिक समय, कोसीकलां। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के बैनर तले हिंदी पत्रकारिता दिवस पर एक शाम शहीदों के नाम कवि सम्मेलन एवं पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन नगर पालिका परिषद दीन दयाल उपाध्याय पार्क में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संत मौनी बाबा, भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय, मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी, प्रमुख समाजसेवी कमलकिशोर वार्ष्णेय तथा जगदीश सुपानिया ने शहीद पार्क पर पुष्पांजलि अर्पित एवं दीपदान कर शहीदों को श्रद्धांजलि कर किया।

भारत माता की जय के साथ उपस्थित लोगों में देश भक्ति का जज्बा भर दिया। इस मौके पर चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल, पूर्व चेयरमैन छाता जगपाल सिंह, योगेंद्र शर्मा, सुभाष बांसईया, अग्रवाल सभा अध्यक्ष वेदप्रकाश गोयल, प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार निर्वाल, कन्हैया लाल गोयल, विनय उपाध्याय, आर्य समाज मंत्री सुरेंद्र आर्य, सभासद लवली वर्मा, लोकेश गर्ग, धर्मेंद्र सैनी एवं टी आर शर्मा आदि लोग मौजूद थे।

आश्रम में गौरेया के लिए लगाए 10 मिट्टी के घर

अपनाघर आश्रम में पक्षियों के दाना पानी के लिए परिंदे लेकर खड़ी महिला इकाई की पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। निर्जला एकादशी पर अपनाघर आश्रम में आश्रम की महिला इकाई ने अपना घर आश्रम वृंदावन में सेवाएं ले रहे प्रभु स्वरूप, लावारिस, बेसहारा, बीमार निवासरत प्रभु स्वरूपो को ठंडे शर्बत और फलों का वितरण किया। साथ ही पर्यावरण के लिए योगदान देने के लिए आश्रम में 10 गौरैया घर लगाये। पक्षियों के दाना पानी के लिए मिट्टी के परिंदे भी लगाये।

अपना घर सेवा समिति महिला शाखा वृंदावन की अध्यक्ष डॉ. वर्तिका किशोर, सचिव सीता अग्रवाल, श्रीमती करिश्मा अग्रवाल, शंकुतला, राधा रानी अग्रवाल एवं श्रीमती पार्वती देवी चौधरी आदि उपस्थित थी।

भक्तों की राय.. जरूर बने कॉरिडोर

भीड़भाड़ वाली व्यवस्था से मिलेगी मुक्ति

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को वृंदावन में अपने आराध्य बांके बिहारी के दर्शन को पहुंचे श्रद्धालुओं ने कहा कि सरकार को ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर अवश्य बनाना चाहिए। देश के विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने कॉरिडोर के प्रस्ताव के लिए प्रदेश सरकार की सराहना भी की। भक्तों का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुविधा की वृंदावन में नगण्य व्यवस्थाएं हैं। यहां भी कॉरिडोर बनाना चाहिए। काशी और अयोध्या में कॉरिडोर निर्माण से वहां की व्यवस्थाएं बहुत बेहतर हुई जिससे दोनों स्थानों पर श्रद्धालुओं की संख्या अब काफी बढ़ गई है। ब्रज दर्शन को आने वाले भक्त बिहारीजी कॉरिडोर को लेकर बहुत आशान्वित हैं। सरकार की पहल को सभी जल्द क्रियान्वित देखना चाहते हैं।

गाज़ियाबाद से दर्शन को आए अखिलेश कुमार का कहना है कि

विकास सभी तीर्थ स्थलों पर हो रहा है तो वृंदावन इससे वंचित क्यों हैं। लेकिन यहां की पौराणिकता भी कायम रहनी चाहिए। अभी हम काशी गए थे, बहुत अच्छा लगा।

अलवर राजस्थान से ठाकुर बांके बिहारी महाराज के दर्शन को आई निर्मला देवी

ने कहा कि विकास होगा तो थोड़ी बहुत क्षति होगी, लेकिन ये वर्तमान की समस्याओं का समाधान के लिए भी जरूरी है। कोशिश की जाए कि वृंदावन की प्राचीनता बनी रहे।

ग्वालियर से आए राम मिलन सिंह

तोमर ने कहा कि कोरिडोर बनना चाहिए। सड़के चौड़ी होनी चाहिए श्रद्धालुओं के लिए सुविधाए बढ़नी चाहिए। लोगों को बहुत परेशानी यहां होती है। छोटी गलियाँ हैं, सुविधाओं का अभाव है।

गाजियबाद से आई स्नेहा ने कहा कि

समय के साथ सभी को बदलना होगा। आज कॉरिडोर की जरूरत है। गोस्वामीजन नहीं चाहते हैं कि व्यवस्थाओं में परिवर्तन हो। इसीलिए उनके द्वारा विरोध किया जा रहा है, लेकिन हम भक्तजन चाहते हैं कि बिहारीजी कॉरिडोर बने।

हिन्दू चेतना यात्रा का मथुरा में भव्य स्वागत

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट के आह्वान पर बुलंदशहर के रामघाट से पांच दिन पहले सिद्ध बाबा धाम के पीठाधीश्वर स्वामी कांताचार्य के सानिध्य में आरंभ हुई हिन्दू चेतना पैदल यात्रा आज कान्हा की लीला भूमि पहुंची। यहां पर डेंपियर नगर स्थित होटल में यात्रा सभा में बदल गई। उत्तराखंड, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश के अलग अलग जिलों से आए यात्रियों ने भगवान श्री कृष्ण की जन्मभूमि के मूल गर्भ गृह पर भव्य मंदिर निर्माण कराए जाने का संकल्प लिया। संतों ने यात्रियों का हौसला बढ़ाया और ऐलान किया कि

हिंदू चेतना यात्रा मथुरा में प्रवेश करती हुई।

दुनिया की कोई भी ताकत मंदिर निर्माण कार्य को नहीं रोक पाएगी। न्यास अध्यक्ष एवं यात्रा के संयोजक महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने कहा कि ऐसी ही यात्राएं देश भर से ही नहीं अब विश्व से मथुरा आएंगी। प्रमुख समाज सेविका डॉ. लक्ष्मी गौतम ने कहा कि यात्रा में जितनी महिला आई हैं, वह श्री कृष्ण जन्मभूमि के मूल गर्भ गृह के मंदिर में अपने लाला कन्हैया को विराजमान देखना चाहती हैं,

भगवान श्री कृष्ण के मंदिर निर्माण का लिया संकल्प

आंदोलन को गति देने का किया ऐलान

और वह वहां एक भव्य मंदिर का निर्माण देखना चाहती है और इसी संकल्प को लेकर चिलचिलाती धूप में नंगे पांव मीलों पैदल चलकर आईं हैं। वृन्दावन के संत कृष्णानंद महाराज ने कांताचार्य जी महाराज के आगाज की सराहना की। अध्यक्षता वृंदावन के प्रमुख संत गोविंदानंद तीर्थ ने की। संजीव गर्ग ने आभार जताया।

आईटीआई में प्रवेश की तिथि अब 22 जून हुई

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य किशन स्वरूप ने अवगत कराया है कि जनपद में संचालित राजकीय / निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान/आईटीआई में प्रवेश हेतु आवेदन की प्रक्रिया 12 मई से 5 जून तक निर्धारित की गयी थी। अभ्यर्थियों के हित को ध्यान में रखते हुये आवेदन की अन्तिम तिथि बढ़ाकर 22 जून तक कर दी गई है।

कार से बरामद हुई 35 लाख रुपये की अंग्रेजी शराब

कोटवन टोल पर चेकिंग के दौरान पुलिस को मिली सफलता

कार से चंडीगढ़ मार्का काउंटर गोल्ड विस्की की 50 पेटी मिलीं

संवाददाता

यूनिक समय, कोसीकलां (मथुरा)। कोसीकलां पुलिस ने कोटवन बैरियर पर चेकिंग के दौरान एक क्रेटा कार को रोका। कार रुकने के बाद उसमे सवार वहां से भाग निकले। तलाशी के दौरान कार से 50 पेटी (600) बोतल चंडीगढ़ मार्का विस्की बरामद हुई। बरामद अंग्रेजी शराब की कीमत पैंतीस लाख बताई गई है। हरियाणा और पंजाब से तस्कर शराब की तस्करी कर लाखों रुपये की अंग्रेजी व देशी शराब कोटवन बॉर्डर से होकर ले जाते हैं। पुलिस की चेकिंग के बावजूद भी तस्कर यहां से निकल जाते हैं। कोसीकलां पुलिस कोटवन बैरियर पर शराब तस्करी को रोकने के लिए चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान वहां से गुजरती एक क्रेटा कार को पुलिस ने चेकिंग के लिए रोक लिया। कार सवार वहां से पुलिस को चकमा देकर भाग निकले। पुलिस ने बाद में कार की तलाशी की तो पुलिस को पता लगा कार में चंडीगढ़ मार्का की काउंटर गोल्ड विस्की पचास पेटी रखी हुई थी। पुलिस ने जब कार के बारे में जानकारी की तो पता लगा कार पर लगाई गई नंबर प्लेट भी फर्जी है। पुलिस ने कार के असली रजिस्ट्रेशन के बारे में जानकारी कर ली है। पुलिस के अनुसार बरामद अंग्रेजी शराब की कीमत 35 लाख है। पुलिस कार ओर शराब को जब्त कर लिया है। कार छोड़कर भागे लोगों की पुलिस तलाश कर रही है।

कोसीकलां पुलिस द्वारा क्रेटा कार से बरामद की गयी चंडीगढ़ की 50 पेटी काउंटर गोल्ड विस्की।

नॉनवेज होटल के समीप पशु अवशेष मिलने पर लोगों ने काटा हंगामा

गोरक्षकों ने की दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

पुलिस ने पशु अवशेष को जांच के लिए लैब भेजा

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन में ईदगाह के पास कटा हुआ गोवंश मिलने के बाद अब सोमवार को सौंख रोड स्थित नॉनवेज होटल के सामने नाले में जानवर के अवशेष मिलने से लोगों में आक्रोश फैल गया। गोरक्षकों ने मौके पर पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ने पशु अवशेष को जांच के लिए लैब में भेज दिया। थाना कोतवाली के सौंख रोड पर नॉन वेज होटल के सामने नाले की सफाई के दौरन पशु अवशेष मिलने से इलाके में अफरातफरी फैल गई। बड़ी संख्यां में गौ रक्षक कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए। इन लोगों ने वहां अच्छा खासा हंगामा खड़ा कर दिया। कार्यकर्ता द्वारा की गई नारेबाजी के चलते सड़क से गुजरने वाले लोग भी वहां रुक गए। गोरक्षा दल के कार्यकर्ता दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे। सौंख रोड पर होने वाले हंगामे की सूचना पर एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते इलाका पुलिस छावनी में तबदील हो गया। एसपी सिटी ने हंगामा कर रहे गोरक्षक कार्यकर्ताओं को समझा कर काफी देर बाद मामला शांत करवाया। वहां मिले पशु अवशेष को जांच के लिए लैब में भेजकर गोरक्षकों को शांत कराया। एसपी सिटी ने बताया कि सौंख रोड पर नाले की सफाई भी हुई थी। वहां पशु अवशेष मिला है। अवशेष को जांच के लिए वेटरनरी कॉलेज की लैब भेज दिया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद इस मामले कार्रवाई की जाएगी।

ब्रज दर्शन को आए परिवार के बच्चे का शव कुंड में तैरता मिला

रायपुर से आए लोगों का बच्चा वंशी वट से हुआ था लापता

परिवार के लोगों का रो-रोकर था हाल बुरा

यूनिक समय, मथुरा। रायपुर छत्तीसगढ़ से ब्रज दर्शन करने के लिए आए एक परिवार का पांच साल का बच्चा वंशीवंट से देर सायं गायब हो गया। आज प्रातः श्याम कुंड में तैरता मिला। बच्चे के शव को देख परिवार के लोगों की चीख निकल गई। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। रायपुर छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश के रहने वाले विनय कुमार श्रीवास्तव अपने परिवार के सात सदस्यों के साथ ब्रजदर्शन करने के लिए रविवार को आए थे। मांट के वंशीवट में सायं को परिवार के लोग साधु कुटिया का दर्शन करने के बाद गाड़ी में बैठने लगे तो उन्हे पता लगा कि विनय कुमार पांच साल का बेटा आर्यन श्रीवास्तव वहां नहीं है। बच्चे को तलाश किया गया। काफी तलाश करने के बाद भी बच्चे का जब पता नहीं लगा तो परिवार के लोगों ने मांट थाने पहुंचकर आर्यन श्रीवास्तव के गुम होने की जानकारी दी। पुलिस ने भी बच्चे को तलाश किया लेकिन उसका कुछ पता नहीं लगा। सोमवार को प्रातः बच्चे का शव श्याम तलैया कुंड में तैरता मिला। बच्चे के शव को देख परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्चे के शव को कुंड से निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मांट तहसील के समाधान दिवस में सीडीओ के सामने दर्ज हुई 49 शिकायतें

मांट तहसील के सभागार में आयोजित समाधान दिवस में लोगों की शिकायतें सुनते सीडीओ मनीष मीना एवं एसडीएम मांट रितु सिरोही।

सिर्फ दो शिकायतों का हो सका निस्तारण

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना की अध्यक्षता में तहसील मांट के सभागार में समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

इस दौरान भीषण गर्मी के बाद भी ग्रामीण क्षेत्र से काफी संख्या में लोग अपनी-अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। दो शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों के अधिकारी को शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। इसमें राजस्व विभाग की 24, पुलिस विभाग की 7, वन विभाग की 2, पूर्ति विभाग की 5, विकास विभाग की 5 एवं विद्युत विभाग की 6 शिकायतें प्राप्त हुई। इनमें से 2 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। तहसील दिवस में उपजिलाधिकारी मांट रितु सिरोही, तहसीलदार पवन कुमार गुप्ता, इंस्पेक्टर राया, मांट, सुरीर उपस्थित थे।

पारम्परिक कारीगरों का 10 दिवसीय प्रशिक्षण होगा

प्रशिक्षण को 30 जून तक आवेदन करें

यूनिक समय, मथुरा। जिला उद्योग केन्द्र के उपायुक्त रामेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रदेश के दस्तकारों एवं पारम्परिक कारीगरों के विकास के उद्देश्य से संचालित प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत जनपद में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पारम्परिक कारीगरों जैसे बढ़ई, नाई, दर्जी, लोहार, धोबी, राजमिस्त्री एवं हलवाई के कार्य से जुड़े व्यक्तियों से समस्त ट्रेडों में 10 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र 30 जून तक आमंत्रित किये जाते है। कोई भी कारीगर विभाग की बेवसाइट पर ऑनलाईन आवेदन 30 जून तक कर सकता है। आवेदन के साथ आवेदक का पासपोर्ट साईज फोटो, बैंक पासबुक की फोटो, आधार कार्ड की फोटो, जाति प्रमाणपत्र (जहाँ लागू हो), आयु प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता प्रमाणपत्र, सम्बन्धित ट्रेड में पारम्परिक कारीगरी से जुड़े होने के सम्बन्ध में प्रमाण पत्र (राम्बन्धित पार्षद / ग्राम प्रधान से प्रमाणित), 10 रुपये के स्टाम्प पेपर पर इस आशय का शपथपत्र, कि आवेदक या उसके परिवार के किसी अन्य सदस्य द्वारा पूर्व में किसी भी प्रशिक्षण योजनान्तर्गत टूलकिट / मानदेय का लाभ प्राप्त नही किया गया है। कोई भी अभ्यर्थी किसी भी कार्य दिवस में अधिक जानकारी के लिए उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, महोली रोड, औद्योगिक क्षेत्र, मथुरा में सम्पर्क कर सकता है।

होटल पर हंगामा व फायरिंग कर कर्मचारी से की मारपीट

यूनिक समय, मथुरा। गोकुल बैराज के समीप एक होटल के निकट बाइक सवार दो युवक लघुशंका कर रहे थे। नौकर के मना करने पर दोनों ने उसे बुरी तरह पीटा। बाद में इन युवकों ने अपने साथियों के साथ यहां आकर फायरिंग की और मारपीट की। पुलिस ने इस मामले में एक बाल अपचारी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार गोकुल बैराज के निकट फैमली रेस्टोरेंट पर होटल के बाहर बाइक सवार दो युवक लघुशंका कर रहे थे। होटल कर्मचारी मुरारी ने इन लोगों को वहां लघुशंका करने से मना किया। इस पर दोनों युवकों ने मुरारी के साथ बुरी तरह मारपीट की। इसके बाद धमकी देकर चले गए। इसके करीब आधा घंटे बाद दो

पुलिस ने एक बाल अपचारी सहित तीन लोगों को पकड़ा

होटल के समीप लघुशंका करने के मामले में हुआ था विवाद

मोटरसाइकिलों पर कुछ लड़के आए और आते ही इन लोगों ने फायरिंग शुरू कर दी। इस मामले में थाना महावन में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने इस मामले में एक बाल अपचारी को हिरासत में लिया है जबकि लव उर्फ राजकुमार निवासी पूजा नगर कॉलोनी थाना रिफाइनरी व गौरव निवासी नेगपुर थाना खंदौली आगरा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालयों में समर कैंप का समापन कल

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बेसिक शिक्षा परिषद व माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यालय में 21 मई से समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। समर कैंप का 10 जून को अंतिम दिन है। कैंप के अंतिम दिन को यादगार बनाने के लिए एडी बेसिक ने जिले के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बीईओ, जिला विद्यालय निरीक्षक, एडीआईओएस, डाइट प्राचार्य, एडी बेसिक को इन कैम्पों में सहभागिता करने के निर्देश ने दिये हैं। महानिदेशालय ने कहा है कि बच्चों में जीवन कौशल के विकास हेतु परिषदीय उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट व अन्य विद्यालयों में 21 मई से 10 जून तक पहली बार समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। समर कैम्प के अंतिम दो दिन भव्य आयोजन किया जाए,

यादगार बनाने के लिए अधिकारी भी होंगे शामिल

महानिदेशक ने सभी अधिकारियों को दिए निर्देश

बच्चों व अभिभावकों द्वारा अनुभव साझा किया जाए

ताकि यह बच्चों के लिए यादगार बन जाए। 1 महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने समन्वयक कैम्प की गतिविधियों में अधिकारी अनिवार्य रूप से शामिल होकर बच्चों का उत्साहवर्धन करें। समर कैम्प से संबंधित गतिविधियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा करें, ताकि जनमानस को जागरूक किया जा सके।

कोकिलावन के महंत बोले

भक्तों की सहूलियत को जरूरी है कॉरिडोर

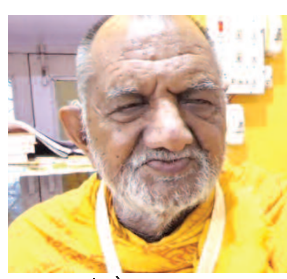

महंत प्रेमदास महाराज

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन में प्रस्तावित ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर के पक्ष में अब ब्रज के प्रमुख मंदिरों के संत– महंत भी आने लगे हैं। शनिधाम कोकिलावन के महंत प्रेम दास महाराज का नाम भी जुड़ गया है। उन्होंने ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर बनाए जाने की पुरजोर मांग की है। कहा कि भक्तों की सुविधा के लिए कॉरिडोर अवश्य बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि काशी और अयोध्या में कॉरिडोर निर्माण होने के बाद व्यवस्थाएं बहुत बेहतर हुई हैं। जिससे वहां भक्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। लोग दर्शन के बाद अयोध्या और बनारस की व्यवस्थाओं की तारीफ करते हुए आ रहे हैं। वृंदावन में भी कॉरिडोर के बनने के बाद भक्तों की परेशानियां खत्म हो जाएंगी। धक्का मुक्की से भक्तों को मुक्ति मिल जाएगी। आराम से अपने आराध्य के दर्शन कर सकेंगे।

तुलसी का पौधा वितरण कर दिया पर्यावरण का संदेश

वृंदावन स्थित सत्यपाल सिंह फिलिंग स्टेशन पर तुलसी पौधा वितरित करते डिविजनल रिटेल सेल्स हेड जाहिद सईद। साथ में अन्य अधिकारियों के साथ सत्यपाल सिंह एवं कुशल यादव आदि।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। चैतन्य विहार स्थित श्री सत्यपाल सिंह फिलिंग स्टेशन (इंडियन ऑयल पेट्रोल पम्प) पर आगरा डिवीजन के डिविजनल रिटेल सेल्स हेड ज़ाहिद सईद ने पर्यावरण दिवस सप्ताह के तहत फीता काट के शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि शुद्ध पर्यावरण के लिए हरे भरे पौधा लगाने की आवश्यकता है। इस मौके पर मथुरा के रिटेल सेल्स ऑफिसर लक्की गौतम, आगरा डिवीजन के इंजीनियर आदित्य कुमार व संचालक सत्यपाल सिंह तथा कुशल यादव उपस्थित थे। कहा कि सभी ग्राहकों के लिए फ्री ठंडा पानी, फ्री हवा व पर्यावरण हेतु पेड़ पौधे की भी व्यवस्था उपलब्ध रहेगी।

ठा. बांके बिहारी के नवमंदिर निर्माण से ही होगा समस्या का निराकरण

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृन्दावन। ठाकुर बांके बिहारी महाराज के सुगम दर्शनार्थ नये भव्य–दिव्य मंदिर के निर्माण से ही वृन्दावन की वर्तमान समस्या का स्थाई निराकरण सम्भव है। अब तक सात बार विभिन्न नवीन मंदिरों में विराजमान होकर दर्शन आनंद प्रदान कर चुके ठाकुर बांके बिहारी महाराज नगर में किसी विशाल खुले स्थान पर आठवीं बार नया मंदिर बनने से जहाँ धाम की परम प्राचीनता बरकरार रहेगी, वहीं न्यू वृन्दावन के रूप में एक पूर्ण विकसित क्षेत्र भी सहज उपलब्ध हो जायेगा। ये कहना है ठाकुर बांकेबिहारी महाराज के मंदिर सेवायत इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी महाराज का। मौजूदा दौर में चल रहे वृन्दावन गलियारा निर्माण प्रकरण पर उन्होंने कहा कि पिछले कई दशकों के दरम्यान कई मर्तबा बिहारीजी मंदिर में चौक धंसने, गर्भ ग्रह में पानी रिसने, पुरानी कई गौखें गिरने, मंदिर की नालियों में मिट्टी भरने, परिक्रमा में दरारें आने, पत्थर चटकने व चबूतरे पर गहरी पोल निकलने जैसी तमाम घटनायें घट चुकी हैं। इनके संदर्भ में व्यापक स्तर पर सुधार कार्यक्रम भी चले तथा पत्थरों पर विशेष रसायन का लेपन भी किया गया। परेशानी खत्म न होने पर आई आई टी रुड़की से विशेषज्ञ टीम भी बुलाई गई और उस टीम के जांच दौरे भी हुये, लेकिन समस्या जस की तस बनी रही। इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी कहते हैं कि इन दशकों में बिहारीजी मंदिर में विशेष पर्वो के साथ साथ समान्य दिनों में भी आने वाले भक्तों की संख्या में लगातार इजाफा होता रहा। फूल बंगले, छप्पनभोग, प्रसाद वितरण जैसे विविध सेवा आयोजन व परम्परागत समारोहों के चलते 161 साल पुराने मिट्टी के टीलेनुमा जगह पर बने इस मंदिर को कभी भी सम्पूर्ण सुधार हेतु पर्याप्त समय नहीं मिल सका। इन समस्याओं का स्थाई समाधान सुझाते हुये उन्होंने करीब एक दशक पूर्व बिहारीजी के सुगम दर्शनार्थ पहले निर्मित हुये सात मंदिरों से कहीं अधिक सुन्दर विशाल भव्य व दिव्य आठवाँ नवीन मंदिर बनाने का प्रस्ताव मीडिया के जरिये पेश किया था। तीन वर्ष पूर्व मंदिर में हुये दुःखद हादसे के बाद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ महाराज को पत्र भेजकर भी उन्होंने नव मंदिर निर्माण कराये जाने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि आराध्य के नये मंदिर हेतु भक्त भी दिल खोलकर सहयोग देंगे। इससे ठाकुर जी की संचित निधि बचेगी ही नहीं बढ़ेगी भी, शासन को इस प्रस्ताव पर गौर करना चाहिये।

गिरिराज जी की परिक्रमा को आई महिला सड़क दुर्घटना में मरी

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन परिक्रमा करने के लिए फिरोजाबाद से आई एक श्रद्धालु महिला की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस ने महिला से मिले फोन पर उसके परिवार को सूचना दी। गोवर्धन स्थित परिक्रमा में शनिवार की देर सायं परिक्रमा करती एक श्रद्धालु महिला को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में महिला की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के पास से मिले मोबाइल फोन के आधार पर उसके परिवारिजनों को सूचना दी। परिवार के लोगों ने पोस्टमार्टम गृह पर बताया कि सुषमा देवी (45) पत्नी अशोक कुमार नगला मरदान जिला फिरोजाबाद की रहने वाली है। हर माह वह गोवर्धन की परिक्रमा करने के लिए आती है। उनके एक बेटी और दो बेटे हैं। परिवार इस समय नोएडा में रह रहा है। कल वह गोवर्धन में गिरिराज जी की परिक्रमा करने के लिए आई थी। उनके साथ दुर्घटना कब हुई उन्हें तो पुलिस ने फोन कर उनकी मौत के बारे में सूचना दी थी।

दो साल के तरुण का के.डी. हॉस्पिटल में सफल ऑपरेशन

यूनिक समय, मथुरा। के.डी. मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा ने दो वर्षीय तरुण के जीवन को नया मोड़ दिया है। गांव बैरी, जिला मथुरा निवासी हरवान के पुत्र तरुण को फेफड़े में गांठ की समस्या थी, जो दिल से चिपकी हुई थी। इस दुर्लभ स्थिति के कारण बच्चे को खांसी और सांस लेने में परेशानी हो रही थी। डॉ. शर्मा और उनकी टीम ने बच्चे का एक्स–रे और सीटी स्कैन कराया, जिससे गांठ की स्थिति का पता चला। इसके बाद, ऑपरेशन की योजना बनाई गई और लगभग तीन घंटे चले इस ऑपरेशन में द्रवयुक्त गांठ को पूरी तरह से सफलतापूर्वक निकाला गया। इस ऑपरेशन में डॉ. शर्मा का सहयोग डॉ. आशीष, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. मंजू सक्सेना, डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह और ओटी

पिता की गोद में तरुण तथा उसका ऑपरेशन करने वाले शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्यामबिहारी शर्मा।

टेक्नीशियन योगेश ने किया। ऑपरेशन के बाद डॉ. संध्या लता आचार्य के निर्देशन में बच्चे की देखभाल की गई। डॉ. शर्मा के अनुसार, दो वर्ष के बच्चे में

एक नई जिंदगी की शुरुआत

फेफड़े की गांठ होना अत्यंत दुर्लभ जन्मजात विकृति है, जिसे मेडिकल भाषा में ब्रोन्कोजेनिक सिस्ट कहा जाता है।

हरवान ने डॉ. शर्मा और के.डी. हॉस्पिटल प्रबंधन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह तो नाउम्मीद हो गए थे, लेकिन अब उनके बच्चे को नया जीवन मिला है। आर.के. एज्यूकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, के.डी. मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के चेयरमैन मनोज अग्रवाल, डीन और प्राचार्य डॉ. आर.के. अशोका, चिकित्सा निदेशक डॉ. राजेन्द्र कुमार ने बच्चे की सफल सर्जरी के लिए डॉ. श्याम बिहारी शर्मा और उनकी टीम को बधाई दी।

निजीकरण के विरोध में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति का धरना जारी

यूनिक समय, मथुरा। बिजली के निजीकरण के विरोध चल रहा धरना प्रदर्शन को विद्युत कर्मचारी संयुक्त समिति के पदाधिकारियों व कर्मचारियों ने सोमवार को कामरेड धर्मेंद्र सभागार विरोध जारी रखा। इस मौके पर समिति के अधिकारियों ने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मचारी 9 जुलाई को निजीकरण के विरोध में राष्ट्र व्यापी हड़ताल करेंगे। विरोध सभा में राहुल चौरसिया, इं देवेन्द्र तिवारी, इं मनीष कुमार, इं गया सिंह, इं मानवेंद्र सिंह, मनीष, ग्यान प्रकाश, प्रदीप सागर, नरेंद्र, कन्हैया, रामवीर, हेमंत, पवन, अशोक शर्मा, डालचन्द्र, बच्चू, राजकुमार, शेखर, नारायण दत्त, मनीष आदि उपस्थित थे।

विद्युत संकट से जूझता गोकुल, जनता नाराज

गोकुल में विद्युत खंभों पर लिपटे तारों का नजारा।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, गोकुल (मथुरा)। धार्मिक नगरी गोकुल आजकल विद्युत समस्या से जूझ रही है। अधिकारियों को फुर्सत नहीं है कि वह यहां की समस्याओं पर गौर फरमा लें। नगर पंचायत के अध्यक्ष संजय दीक्षित ने प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा को पत्र लिखकर गोकुल कस्बा में विद्युत अधिकारियों की अंधेरगर्दी से अवगत कराया है। कहा कि गोकुल के ज्यादातर एरिया में लगभग 18 घंटे से लाइट नहीं आ रही है।

इनमें वासुदेव दरवाजा, जाटव बस्ती, कुशवाहा बस्ती, रत्न चौक, बीच चौक, मिया पाडा, गणेश मंदिर तथा मुरलीधर घाट शामिल हैं। इन सभी स्थानों पर केबल जल गई है। चेयरमैन ने पत्र में

चेयरमैन ने ऊर्जा मंत्री को लिखा पत्र

आगे लिखा है कि गोकुल में रोजाना लगभग पचास हजार तीर्थ यात्री दर्शन करने के लिए आते है। रोजाना से ट्रांसफार्मर का फूंकना और दिन में 4 से 5 फेस उड़ना आम बात हो गई है। बाजारों में मंदिर जाने वाले रास्तों पर यमुना घाटों पर जो बिजली की केबल पड़ी हुई है। वह चार तारों की मिक्स केबल हैं। आपस में चारों तार चुपके हुए हैं। वह गर्म हो जाती हैं। बाजारों में आग लग जाती है। टूट जाती हैं। जिसके कारण कई बार हादसा होने से बच गया है। मंदिर जाने वाले रास्तों पर तीर्थ यात्रियों के ऊपर कई बार यह केवल ने टूटकर गिर भी पड़ी है पर लोगों की सहभागिता से हादसा टल गए। उन्होंने गोकुल के लगभग चार से पांच स्थानों पर लगे ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता वृद्धि की भी मांग की। गोकुल में रोजाना फेस उड़ने से और ट्रांसफॉर्मर खराब होने से पांच से छह घंटा लाइट बंद की जाती है।

जीएलए विश्वविद्यालय में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के मेधावियों का सम्मान

जीएलए विश्वविद्यालय में सम्मान समारोह के दौरान सीईओ नीरज अग्रवाल सम्मानित बच्चों के साथ।

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय ने हाल ही में अपने परिसर में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया, जिसमें विश्वविद्यालय परिवार से जुड़े सदस्यों के बच्चों को उनकी हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, सीईओ नीरज अग्रवाल और जीएलए नोएडा ऑफ कैंपस के प्रतिकुलपति प्रो. दिवाकर भारद्वाज ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। समारोह में लगभग 40 छात्रों को प्रशस्ति पत्र, मेडल, ट्रॉफी और उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। सीईओ नीरज अग्रवाल ने छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता

जीएलए के सीईओ ने बच्चों की जमकर सराहना की

उनके माता-पिता के अच्छे संस्कार और शिक्षा के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने छात्रों को आगे की चुनौतियों के लिए तैयार रहने की प्रेरणा दी और कहा कि जीवन की सबसे बड़ी परीक्षा आगे है। प्रतिकुलपति प्रो. दिवाकर भारद्वाज ने भी छात्रों के माता-पिता की भूमिका की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से अन्य परिवारों को भी प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट जनरल मैनेजर एचआर तुलिका अग्रवाल ने किया। सम्मानित छात्रों में आर्यन गोयल, दैविक राठौर, राधिक त्यागी, अन्वी राठौर, संस्कृति संगवान, इशित बंसल, समर्थ शर्मा, साइन संगिता पांडा, नव्या गुप्ता, सौम्या शर्मा, ख्याति गुप्ता, हिमांशु सैनी, हर्षिता राजपूत, राशि अग्रवाल, विशाल शर्मा, चंचल, पायल राय, अनन्या सिंह, मानसी, स्तुति द्विवेदी, जतिन राजपूत, लकी शर्मा, श्वेता मोहनिया, सक्षम खंडेलवाल, प्रियांशी, कुशाग्र उपाध्याय, जतिन गौतम, शौर्य प्रताप सिंह, दक्षता मिश्रा, भूमि रावत, सोनिया, गुंजन शाक्य, राधिका शर्मा, अनुश्का शर्मा और प्रियंका सिसौदिया शामिल हैं। इस अवसर पर डीन रिसर्च प्रो. कमल शर्मा, एचआर टीम के सदस्य महक अग्रवाल, जोगेन्द्र शर्मा, धर्मेन्द्र सिंह और पवन गौतम भी उपस्थित रहे।

प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

सम्मानित मेधावी छात्र-छात्राएं अतिथियों के साथ।

संवाददाता

यूनिक समय, कोसीकलां। गांव तूमौला स्थित निःशुल्क शिक्षा लाइब्रेरी में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 20 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। समारोह के संयोजक और लाइब्रेरी के प्रबंधक गौरव चौधरी ने कहा कि शिक्षा किसी संसाधन की मोहताज नहीं होती। प्रत्येक बच्चे में प्रतिभा छिपी होती है। आवश्यकता है तो बस सही मार्गदर्शन और प्रेरणा की। उन्होंने कहा कि यह लाइब्रेरी ग्रामीण छात्रों को निःशुल्क शैक्षिक संसाधन उपलब्ध कराकर उनकी प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर रही है। विशेष अतिथि जिला पंचायत के सदस्य आर. पी. सिंह, जितेन्द्र सिंह एडवोकेट, बसंत कुमार, संजय डीलर, मुकेश बंसल, पवन गर्ग ,कन्हैया प्रधान खायरा, रविंद्र कुमार जाव आदि उपस्थित थे।

जिला ओलंपिक संघ भी कॉरिडोर के समर्थन में आया

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर के निर्माण को लेकर जिला ओलंपिक संघ के प्रतिनिधिमंडल डिप्टी कलेक्टर वैभव गुप्ता को ज्ञापन सौंपते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। जिला ओलंपिक संघ ने ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर एवं न्यास का समर्थन करते डीएम के नाम ज्ञापन दिया। महासचिव महेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि खिलाड़ी दूर-दराज से बांके बिहारी के दर्शन करने आते हैं। भीड़ और दबाव के कारण उन्हें सुगमता से दर्शन नहीं हो पाते। इससे उन्हें निराशा होती है। कहा कि कॉरिडोर बनने से पर्याप्त जगह मिलेगी। इससे बाहर से आने वाले खिलाड़ी और वीआईपी सहित सभी श्रद्धालुओं को आसानी से दर्शन की सुविधा मिलेगी। उन्होंने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया। श्री राजपूत ने बताया कि कुछ लोग अपने फायदे के लिए कॉरिडोर का विरोध कर रहे हैं। जबकि 90 प्रतिशत लोग कॉरिडोर के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा कि वृंदावन में कॉरिडोर का निर्माण जरूरी है, ताकि श्रद्धालु आराम से दर्शन कर सकें।

मंदिर बने शक्ति केंद्र : विजय कौशल महाराज

शाश्वत हिंदू संगठन के पदाधिकारी संत प्रवर विजय कौशल के साथ।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। परिक्रमा मार्ग स्थित आश्रम में संत प्रवर विजय कौशल महाराज, मुख्य मार्गदर्शक की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें डॉ. योगी अनूप नाथ, प्रमोद कुमार, संजय शर्मा, मनोज शर्मा, के के गुप्ता ने भाग लिया। बैठक में शाश्वत मूल्यों और मंदिरों पर कार्य करने वाले शाश्वत हिंदू संगठन का मार्गदर्शन करते हुए संत प्रवर विजय कौशल महाराज ने कहा कि सबसे पहले मंदिरों को चयनित कर उसमें सर्व समाज बंधुओं भगिनियों को लाया जाए तथा वेशभूषा, भाषा, भोजन, तिलक ओर मानवीय मूल्यों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाय। साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ा कार्यक्रम किया जाय। इसमें सभी प्रांतों के प्रतिनिधि भाग लें। संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री, संजय शर्मा ने संगठन की गत वर्षों में किए गए कार्यों का वृत सभी के सम्मुख रखा। आरएसएस के अखिल भारतीय संत संपर्क प्रमोद कुमार ने पूरे देश में समरसता सदभावना भाव पैदा करने के संघ के दृष्टिकोण को बैठक में रखा। अखिल भारतीय योगीनाथ महासभा के राष्ट्रीय संयोजक एवं शाश्वत हिंदू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ योगी अनूप नाथ ने अखंड भारत बनाने पर जोर देते हुए सनातन धर्म प्रेमियों को जागृत करने एवं नाथ परंपरा को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

इसके लिए उन्होंने जमीनी स्तर पर संपूर्ण भारत में टोलियों का निर्माण कर लिया है। जल्दी ही बड़े स्तर पर इसका आयोजन किया जाएगा, गौरतलब है शाश्वत हिंदू संगठन राष्ट्रीय स्तर पर मंदिर शक्ति का केंद्र बने। इस पर कार्य कर रहा है। इसमें राष्ट्रीय स्तर पर नामचीन हस्तियों की सहभागिता रहती है। मनोज शर्मा ने शाश्वत मूल्यों को समाज में प्रेषित करने पर बल दिया।

कॉरिडोर और न्यास का विरोध जारी

राधावल्लभ मंदिर में प्रदर्शन व नारेबाजी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर और न्यास (ट्रस्ट) बनाने के लिए लाए गए अध्यादेश का विरोध बढ़ता जा रहा है। सोमवार को राधावल्लभ मंदिर में गोस्वामियों ने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। राधा वल्लभ मंदिर में राजवंश से जुड़े गोस्वामी राजभोग आरती के बाद मंदिर में एकत्रित हुए। उन्होंने बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर के विरोध के बैनर लगाए। फिर सभी ने कॉरिडोर हाय हाय के नारे लगाते हुए मंदिर के आंगन में खड़े होकर प्रदर्शन किया। सूरज गोस्वामी ने बताया कि वृंदावन के प्राचीन स्वरूप को बिगाड़ने के

ठाकुर राधा वल्भ मंदिर में कॉरिडोर का विरोध करते बांके बिहारी और राधा वल्लभ मंदिर के गोस्वामी।

लिए सरकार यह कॉरिडोर की योजना लाई है। राधावल्लभ मंदिर में कॉरिडोर और न्यास के विरोध में हो रहे प्रदर्शन की जानकारी होने पर बांके बिहारी मंदिर के गोस्वामी भी राधा वल्लभ मंदिर पहुंच गए। उन्होंने राधा वल्लभ मंदिर के गोस्वामियों के साथ मिलकर नारेबाजी की और प्रदर्शन किया।

उधर, ठाकुर राधा वल्लभ मंदिर में विरोध के बैनर लगाने पर विलास वंश के गोस्वामी राधेश लाल भड़क गए। उन्होंने विरोध करते हुए मंदिर के कार्यालय में जाकर नाराजगी जाहिर करना शुरू कर दिया। उनके इस रुख का रास वंश से जुड़े गोस्वामियों ने विरोध किया। राधेश लाल गोस्वामी का कहना था कि भगवान के सामने काले रंग का बैनर लगाया है वह न कॉरिडोर का विरोध कर रहे हैं न न्यास का। जबकि एक दिन पहले उनके बेटे मोहित मराल का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ इसमें वह कॉरिडोर का विरोध करते हुए दिखाई दिए थे।

द्वारकाधीश के ज्येष्ठाभिषेक के दर्शन 11 को

यूनिक समय, मथुरा। मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा 11 जून को ठाकुर द्वारिकाधीश महाराज का जलाभिषेक होगा। इस ज्येष्ठ स्नान तैयारी के लिए 10 जून को सायं 5.40 बजे के बाद मंदिर के मुखिया अपने सभी साथी मुखिया व अपरस के सभी लोगों के साथ यमुना का जल लेने जाएंगे। उस जल को एकत्रित करने के बाद बुधवार को पूर्णिमा के दिन ठाकुर जी का ज्येष्ठाभिषेक होगा। इस वजह से मंगला के दर्शन में परिवर्तन किया गया है। उन्होंने बताया कि 11 जून को मंगला प्रातः 6 से 6.15 बजे तक होगी। ज्येष्ठाभिषेक के विशेष दर्शन 6.30 बजे प्रातः होंगे।

विटामिन बी12 की कमी से हैं परेशान?

रोजाना पिएं ड्राई फ्रूट्स का पानी, मिलेंगे चौंकाने वाले फायदे

यूनिक समय, नई दिल्ली। विटामिन बी12 शरीर के लिए सबसे अहम पोषक तत्वों में से एक है। यह न केवल नर्वस सिस्टम को दुरुस्त रखता है, बल्कि डीएनए और रेड ब्लड सेल्स के निर्माण में भी अहम भूमिका निभाता है। इसकी कमी से थकान, कमजोरी, चिड़चिड़ापन और मांसपेशियों में दर्द जैसी समस्याएं सामने आने लगती हैं। लेकिन अब इस कमी को दूर करना बेहद आसान हो गया है। न्यूट्रिशनिस्ट नमामी अग्रवाल के अनुसार, अगर आप शाकाहारी हैं और बी12 की कमी से जूझ रहे हैं, तो ड्राई फ्रूट्स का पानी एक असरदार उपाय बन सकता है। एक्सपर्ट का मानना है कि कुछ खास ड्राई फ्रूट्स को रातभर पानी में भिगोकर रखने और सुबह उस पानी को पीने से शरीर को जरूरी पोषण मिल सकता है।

कैसे करें ड्राई फ्रूट्स का इस्तेमाल? इसके लिए बादाम, काजू, किशमिश, अखरोट और अंजीर को रातभर एक गिलास पानी में भिगोकर रखें। सुबह इन ड्राई फ्रूट्स को निकालकर उस पानी को छान लें और हल्का गुनगुना करके खाली पेट पिएं। बेहतर स्वाद के लिए इसमें एक चम्मच शहद मिलाया जा सकता है।

रोजाना सेवन के फायदे : शरीर में विटामिन बी12 का स्तर बेहतर होता है। दिनभर के लिए इंस्टेंट एनर्जी मिलती है। पाचन तंत्र मजबूत होता है और कब्ज जैसी समस्याएं दूर होती हैं। ड्राई फ्रूट्स में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड दिल को मजबूत बनाते हैं। त्वचा से जुड़ी समस्याएं जैसे दाग-धब्बे और रूखापन भी कम होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि नियमित रूप से इस पानी का सेवन करने से न केवल विटामिन बी12 की कमी पूरी होती है, बल्कि शरीर को संपूर्ण पोषण भी मिलता है।अगर आप भी बार-बार थकान, लो एनर्जी या मानसिक तनाव महसूस कर रहे हैं, तो यह घरेलू नुस्खा आपकी हेल्थ के लिए वरदान साबित हो सकता है। आज से ही इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और फर्क खुद महसूस करें।

गर्मियों के मौसम में दही से जरूर बनाएं ये बेहद टेस्टी रेसिपी

एक बार खाकर नहीं भर पाएगा मन

ममता सिंह

यूनिक समय, मथुरा। गर्मियों के मौसम में अक्सर दही का सेवन करने की सलाह दी जाती है। अगर आपको भी दही खाना पसंद है, तो आपको दही तड़के की इस रेसिपी को कम से कम एक बार जरूर ट्राई करके देखना चाहिए।

क्या आपने कभी दही तड़के की रेसिपी को ट्राई किया है? अगर नहीं, तो आपको इस स्वादिष्ट डिश को बनाने के बेहद आसान तरीके के बारे में जान लेना चाहिए। यकीन मानिए कि इस डिश का टेस्ट बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को पसंद आएगा। दही से बनाई जाने वाली इस डिश को खाने के बाद आप भी अपनी उंगलियां चाटते रह जाएंगे। सबसे अच्छी बात तो ये है कि दही तड़का बनाने के लिए आपको ज्यादा समय भी नहीं लगेगा।

बनाने की विधि: दही तड़का बनाने के लिए सबसे पहले आपको एक कप दही निकालना है और फिर इसे अच्छी तरह से फेंट लेना है। अब आपको हल्दी, लाल मिर्च, पिंक सॉल्ट और धनिया पाउडर को इस एक कप फेंटे हुए दही के साथ मिक्स कर लेना है।

इसके बाद एक पैन में थोड़ा सा तेल डालकर इसे गर्म कर लीजिए। अब गर्मागर्म तेल में जीरा, राई, सौंफ और करी पत्ता डालकर इन सभी चीजों को अच्छी तरह से भून लीजिए। इसके बाद आपको लहसुन और हरी मिर्च को कद्दूकस कर लेना है। अब कद्दूकस किए हुए लहसुन और हरी मिर्च को इस तड़के में डाल दीजिए।

तड़का लगाने के बाद आप इसमें दही के बैटर को एड कर अच्छी तरह से मिला लीजिए। इसके बाद थोड़ा सा पानी मिलाकर फिर से अच्छी तरह से मिक्स कर लीजिए। महज 10 मिनट तक इस मिक्सचर को कुक कीजिए और आपकी डिश सर्व करने के लिए तैयार है। आप दही तड़के को रोटी या फिर चावल के साथ परोस सकते हैं। आप इस डिश को बार-बार बनाना पसंद करेंगे क्योंकि आपको इस डिश को बनाने के लिए न तो ज्यादा फैंसी सामग्री की जरूरत पड़ेगी और न ही ज्यादा समय की बर्बादी होगी। लंच के लिए दही तड़के की रेसिपी एक परफेक्ट ऑप्शन साबित हो सकती है।

विशेष अनुरोध

यदि आपके आसपास कोई घटना होती है या कोई कार्यक्रम जिसे आप अपने विश्वसनीय समाचार पत्र यूनिक समय में प्रकाशित कराना चाहते हैं तो देर न करें। इस मोबाइल नंबर पर प्रेषित करें

यूनिक समय का नया व्हाट्सअप नंबर -8394983366

प्री-बुकिंग या होटल पहुंचकर रूम बुकिंग

सफर में कौन-सा तरीका है बेहतर?

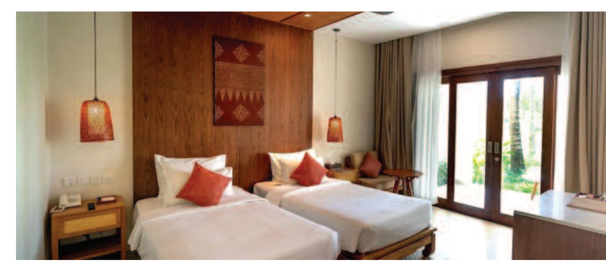

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप दो से तीन दिन के लिए घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो होटल बुकिंग को लेकर एक अहम सवाल खड़ा होता है-क्या रूम की प्री-बुकिंग करें या होटल पहुंचकर बुक करें? दोनों तरीकों के अपने फायदे और नुकसान हैं।

प्री-बुकिंग का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यात्रा के बाद रूम ढूंढने की टेंशन नहीं होती। आप होटल की वेबसाइट, ट्रैवल एजेंसी या ऐप्स से पहले ही रूम बुक कर सकते हैं। इससे समय और मेहनत दोनों बचती हैं। साथ ही, कई बार प्री-बुकिंग पर अच्छे डिस्काउंट, ज्यादा ऑप्शन्स और बेहतर लोकेशन वाले रूम भी मिल जाते हैं। लेकिन ध्यान रहे, स्कैम या बुकिंग कंफर्मेशन में गड़बड़ी की संभावना रहती है। अगर यात्रा की योजना बदल जाए तो रिफंड में भी दिक्कत हो सकती है। वहीं, होटल पहुंचकर रूम बुक करने का फायदा यह है कि आप होटल की स्थिति और रूम देखकर ही फैसला कर सकते हैं। अगर यात्रा में कोई बदलाव हो, तो रिफंड की चिंता नहीं होती। खासकर ऑफ-सीजन में ये तरीका सुविधाजनक हो सकता है। लेकिन टूरिस्ट सीजन या वीकेंड पर मनचाहा रूम मिलना मुश्किल हो सकता है, और तब आपको ज्यादा कीमत चुकानी पड़ सकती है।

नतीजा: अगर यात्रा तय और समय सीमित है, तो प्री-बुकिंग बेहतर है। लेकिन अगर आपकी योजना लचीली है और आप एडवेंचर के मूड में हैं, तो होटल पहुंचकर रूम लेना भी सही विकल्प हो सकता है। ऑनलाइन बुकिंग करते समय होटल की रेटिंग, लोकेशन, सुविधाएं और कैंसलेशन पॉलिसी जरूर जांचें।

ओडिशा का एक अद्भुत पर्यटन स्थल चिलिका झील

नितेश खण्डेलवाल

यूनिक समय,नई दिल्ली। चिलिका झील का क्षेत्रफल लगभग 1,100 वर्ग किलोमीटर है और यह मरीन और ताजे पानी का अद्भुत मिश्रण है। यहाँ की जलवायु और पारिस्थितिकी तंत्र इसे विभिन्न प्रकार के पक्षियों, मछलियों और अन्य जल जीवों का आदर्श घर बनाती है। चिलिका झील, जो ओडिशा राज्य के पुरी, गंजम और खोरधा जिलों में फैली हुई है, भारत की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील और एशिया की तीसरी सबसे बड़ी झील है। यह झील अपने प्राकृतिक सौंदर्य, विविध वन्यजीवों और पक्षी अभयारण्यों के लिए प्रसिद्ध है। चिलिका झील न केवल पर्यटकों के लिए एक आकर्षक स्थल है, बल्कि यह पर्यावरण और जैव विविधता के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह स्थल विशेष रूप से पक्षी प्रेमियों, प्रकृति प्रेमियों और पर्यावरण संरक्षण में रुचि रखने वाले लोगों के लिए आदर्श स्थल है।

चिलिका झील का क्षेत्रफल लगभग 1,100 वर्ग किलोमीटर है और यह मरीन और ताजे पानी का अद्भुत मिश्रण है। यहाँ की जलवायु और पारिस्थितिकी तंत्र इसे विभिन्न प्रकार के पक्षियों, मछलियों और अन्य जल जीवों का आदर्श घर बनाती है। चिलिका को 'पक्षी अभयारण्य' के रूप में भी जाना जाता है, और यह स्थान दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आने वाले प्रवासी पक्षियों के लिए एक प्रमुख ठिकाना बन चुका है।

पक्षी अभयारण्य: चिलिका झील एक प्रमुख पक्षी अभयारण्य है, जहां हर साल सर्दियों में लाखों प्रवासी पक्षी आते हैं। इनमें से कई पक्षी साइबेरिया, मंगोलिया, और अन्य दूर-दराज के क्षेत्रों से आते हैं। यहाँ का नालबाना क्षेत्र यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त पक्षी अभयारण्य है। सर्दियों के दौरान यहाँ विभिन्न प्रकार के जलपक्षी, जैसे कि बगुला, हंस, और पेट्रल्स देखे जा सकते हैं। यह स्थान पक्षी प्रेमियों के लिए स्वर्ग के समान है, जहां उन्हें असंख्य पक्षी प्रजातियों का अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है।

बोटिंग और जल क्रीड़ा: चिलिका झील में बोटिंग का अनुभव भी बहुत लोकप्रिय है। पर्यटक झील में बोट की सवारी करके उसकी शांत सुंदरता का आनंद ले सकते हैं। बोटिंग के दौरान आप झील के बीच स्थित छोटे-छोटे द्वीपों को भी देख सकते हैं। इन द्वीपों पर स्थित किलों, मछली पकड़ने के गाँवों और प्राकृतिक सौंदर्य को देखना एक अद्वितीय अनुभव होता है। इसके अलावा, जल क्रीड़ा जैसे कयाकिंग और पेडल बोटिंग भी यहाँ की लोकप्रिय गतिविधियाँ हैं।

घटकई द्वीप : चिलिका झील में स्थित घटकई द्वीप एक प्रसिद्ध पर्यटक स्थल है। यह द्वीप अपनी प्राकृतिक सुंदरता और अद्वितीय शांति के लिए जाना जाता है। यहाँ के साफ पानी और हरियाली में पर्यटकों को एक अद्भुत अनुभव मिलता है। इस द्वीप पर आप हरे-भरे बागों और छोटे से बीच का आनंद ले सकते हैं।

सिंहगद द्वीप और अन्य द्वीप : चिलिका झील में कई अन्य छोटे द्वीप भी स्थित हैं, जिनमें से सिंहगद द्वीप बहुत प्रसिद्ध है। यहाँ पर्यटक बोटिंग का आनंद ले सकते हैं और स्थानीय मछुआरों के जीवन को करीब से देख सकते हैं। सिंहगद द्वीप पर स्थित मंदिर और किलों का ऐतिहासिक महत्व भी है, जो इस स्थान को और भी खास बनाता है।

चिलिका झील की जैव विविधता : चिलिका झील जैव विविधता का खजाना है। यहाँ कई प्रकार की मछलियाँ, जलजीव, और पक्षी रहते हैं।

इस झील में करीब 225 से अधिक पक्षियों की प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इसके अलावा, यहाँ कई दुर्लभ मछलियाँ और समुद्री जीव भी निवास करते हैं। इस तरह, चिलिका झील न केवल पर्यटकों के लिए एक पर्यटन स्थल है, बल्कि यह पर्यावरणीय संरक्षण का भी महत्वपूर्ण केंद्र है।

यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय : चिलिका झील की यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय अक्टूबर से फरवरी तक है, जब सर्दियाँ होती हैं और पक्षियों की आमद शुरू होती है। इस दौरान झील में हजारों प्रवासी पक्षी आते हैं, जो इसे पक्षी प्रेमियों के लिए स्वर्ग बना देता है। गर्मियों में यहाँ का तापमान बढ़ सकता है, जिससे यात्रा में कुछ असुविधा हो सकती है।

चिलिका झील न केवल ओडिशा बल्कि पूरे भारत का एक अद्भुत प्राकृतिक धरोहर स्थल है।

यहाँ का शांत वातावरण, पक्षियों का अप्रतिम दृश्य, और प्राकृतिक सौंदर्य इसे पर्यटकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाता है। अगर आप प्रकृति प्रेमी हैं, तो चिलिका झील की यात्रा निश्चित रूप से एक अविस्मरणीय अनुभव होगा। यह स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है, और यह एक आदर्श स्थल है जहाँ आप प्रकृति की अद्भुत सुंदरता का आनंद ले सकते हैं।

सुविचार

"हार मत मानो, महान चीजें समय लेती हैं।"

कल का पंचांग

तिथि	पूर्णिमा	11:35-01:13 तक	पक्ष		शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	ज्येष्ठा	06:01-08:10 तक	माह		ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:27 AM	चन्द्रोदय		06:39 PM
सूर्यास्त		7:09 PM	चंद्रास्त		04:56 AM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र		वृश्चिक राशि
शुभ मुहूर्त	11:51AM –12:45 PM		ब्रहम् मुहूर्त		03:51-04:39
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्		2082
राहुकाल	03:44PM–05:26PM		वार		मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

क्या आपका समय चल रहा है खराब?

सही घड़ी पहनने से बदल जाएगी किस्मत, कौन सी वॉच रहेगी बेस्ट

यूनिक समय, मथुरा। समय का प्रतीक घड़ी है, जो सेकेंड, मिनट और घंटे में समय की गणना करती है, जो आगे चल कर दिन, सप्ताह, महीने और वर्ष में बदलता है। यह समय किसी के लिए अच्छा तो किसी के लिए खराब हो सकता है। यदि आपका समय खराब चल रहा है तो हो सकता है कि इसका कनेक्शन आपकी घड़ी से हो। यदि आप गलत घड़ी पहनते हैं तो उसका प्रभाव आप पर नकारात्मक हो सकता है और घड़ी नहीं पहनते हैं तो आपका समय आपके साथ नहीं है। सभी लोगों को अपनी कलाई में घड़ी पहननी चाहिए। आपका वक्त आपको सपोर्ट करता है, जिससे आपकी किस्मत बनती है। इसके लिए जानना जरूरी है कि कौन सी घड़ी पहननी चाहिए? आपके लिए कौन सी घड़ी सही होगी? यदि आप गलत घड़ी पहनते हैं तो वह आपकी तरक्की में रुकावट डाल सकती है। अंक ज्योतिष की मदद से जानते हैं कि किस भाग्यांक के व्यक्ति को कौन सी घड़ी पहननी चाहिए?

घड़ी में होता है जीवन : अंक ज्योतिष के अनुसार, आप शरीर में जो भी वस्तुएं पहनते हैं, वो निर्जीव है, उसमें कोई जीवन नहीं होता है, जबकि घड़ी ऐसी वस्तु है, जिसमें जीवन है यानि गति है। वह हमेशा चलती रहती है। उसमें ठहराव नहीं होता है। इस वजह से घड़ी अपनी गति और आवाज से पॉजिटिव एनर्जी उत्पन्न करती है, जो लोगों के जीवन में बदलाव ला सकती है, यदि आप उसका चुनाव सही करें।

अंक ज्योतिष के अनुसार, व्यक्ति को चमड़े की बेल्ट वाली घड़ी या रबड़ वाली घड़ी नहीं पहननी चाहिए। इससे नेगेटिव एनर्जी उत्पन्न होती है। ऐसी घड़ी को पहनना अशुभ माना जाता है। इसके पहनते हैं तो वह आपके लिए फायदेमंद नहीं होगी। महिला हो या पुरुष, दोनों को मेटल चेन वाली घड़ी ही पहननी चाहिए। मेटल चेन वाली घड़ी को शुभ फलदायी माना जाता है।

भाग्यांक 1 वालों के लिए घड़ी: भाग्यांक एक के लोगों को गोल्डन कलर की मेटल चेन वाली घड़ी पहननी चाहिए। यह आपके लिए उन्नति वाली होगा। यह घड़ी आप रविवार के दिन पहनें।

भाग्यांक 2 वालों के लिए घड़ी: भाग्यांक दो वाले लोगों को सिल्वर या व्हाइट कलर की घड़ी पहननी चाहिए, जिसमें मेटल चेन लगी हो। यह घड़ी आप सोमवार के दिन पहनें।

भाग्यांक 3 वालों के लिए घड़ी: आपके भाग्यांक के लोगों को भी गोल्डन कलर की रिस्ट वॉच पहननी चाहिए। आप इस घड़ी को गुरुवार के दिन पहनें।

भाग्यांक 4 वालों के लिए घड़ी: भाग्यांक 4 वाले लोग मेटैलिक ग्रे कलर की घड़ी पहनते हैं तो अच्छा रहेगा। यह घड़ी शनिवार को पहन सकते हैं।

भाग्यांक 5 वालों के लिए घड़ी: भाग्यांक 5 वाले लोग सिल्वर और गोल्डन मिक्स कलर वाली रिस्ट वॉच पहनें। यह बुधवार के दिन पहनना शुभ रहेगा।

भाग्यांक 6 वालों के लिए घड़ी: भाग्यांक 6 वाले लोगों को शुक्रवार के दिन रोज गोल्ड कलर की घड़ी पहननी चाहिए। यह आपके लिए शुभ होगी।

भाग्यांक 7 वालों के लिए घड़ी: आपके भाग्यांक के लोगों को भी गोल्डन वॉच पहननी चाहिए। यह भी आप शनिवार के दिन पहन सकते हैं।

भाग्यांक 8 वालों के लिए घड़ी: भाग्यांक 8 वाले लोगों को काले रंग की घड़ी अपनी कलाई में बांधनी चाहिए। यह घड़ी शनिवार को ही पहनें।

भाग्यांक 9 वालों के लिए घड़ी: भाग्यांक 9 वाले लोग रोज गोल्ड या कॉपर कलर वाली रिस्ट वॉच पहन सकते हैं। यह मंगलवार के दिन पहननी चाहिए।

घड़ी पहनने समय ध्यान रखने वाली बात
आपको घड़ी पहनते समय इस बात का ध्यान रखना है कि वह घड़ी राइट टाइम हो।

आपकी घड़ी में समय आगे या पीछे न हो। जब आप अपने मूलांक के अनुसार, सही घड़ी पहनेंगे तो आपके सभी काम समय पर होने लगेंगे। आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव होने लगेगा। आपका खराब समय भी सही हो जाएगा।

पैरों के अंगूठे और उंगलियों पर बाल आना शुभ या अशुभ?

यूनिक समय, नई दिल्ली। सामुद्रिक शास्त्र, जोकि व्यक्ति के शारीरिक लक्षणों से उसके स्वभाव और भाग्य का विश्लेषण करता है, उसके अनुसार पैरों की उंगलियों या अंगूठे पर बाल होना एक विशिष्ट और दुर्लभ संकेत माना जाता है। यह लक्षण सामान्य नहीं होता और आमतौर पर विशेष गुणों और संभावनाओं को दर्शाता है।

सबसे पहले, यह लक्षण धन, वैभव और समृद्धि का संकेत माना जाता है। ऐसे व्यक्ति मेहनती होते हैं लेकिन साथ ही उन्हें किस्मत का भी अच्छा साथ मिलता है। वे अपने बलबूते पर बड़ी सफलता हासिल करते हैं। व्यवसाय, नौकरी या किसी भी पेशे में वे ऊंचाइयों तक पहुंचने की क्षमता रखते हैं। दूसरे, जिन लोगों के पैरों की उंगलियों पर बाल होते हैं, वे आत्मनिर्भर, जिम्मेदार और आत्मविश्वासी होते हैं।

उनमें नेतृत्व करने की क्षमता होती है और वे निर्णय लेने में संकोच नहीं करते। इनके भीतर गहराई से सोचने और समझने की योग्यता भी पाई जाती है।तीसरा, इन लोगों की रुचि ज्योतिष, तंत्र, योग, ध्यान और आध्यात्मिक विषयों में गहरी होती है। वे भौतिक जीवन से अधिक आत्मिक शांति

की खोज में रहते हैं। हालांकि, यदि उंगलियों पर बाल बहुत अधिक और मोटे हों, तो यह संकेत करता है कि व्यक्ति में क्रोध और अहंकार की प्रवृत्ति भी हो सकती है। ऐसे लोगों को ध्यान और संयम अपनाने की सलाह दी जाती है। अंततः, यह लक्षण कर्म और भाग्य दोनों का मिला–जुला परिणाम है। ऐसे व्यक्ति न सिर्फ किस्मत वाले होते हैं, बल्कि अपनी मेहनत से जीवन को आकार देते हैं।

ये राशियां भूलकर भी न पहनें काला धागा, वरना हो सकता है बड़ा नुकसान

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में काले धागे का संबंध शनि और राहु ग्रहों से होता है। यह कई बार लाभकारी होता है, लेकिन कुछ राशियों के लिए यह उल्टा असर डाल सकता है। भोपाल के ज्योतिषाचार्य पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा के अनुसार मेष, कर्क, सिंह और वृश्चिक राशि के जातकों को काला धागा पहनने से बचना चाहिए। मेष राशि वालों का स्वामी मंगल होता है, जो तेज और उग्र स्वभाव का ग्रह है, जबकि शनि धीमे असर वाला होता है। इनके विरोधी स्वभाव के कारण मेष जातकों को काला धागा नुकसान पहुंचा सकता है। कर्क राशि के चंद्रमा भावनात्मकता के प्रतीक हैं, और शनि–राहु के प्रभाव से इन्हें मानसिक तनाव व बेचैनी हो सकती है। सिंह राशि का स्वामी सूर्य है जो शनि का विरोधी है। काला धागा पहनने से सिंह जातकों की प्रतिष्ठा और आत्मबल प्रभावित हो सकता है। वृश्चिक राशि भी मंगल स्वामित्व वाली है, और मंगल–शनि में तालमेल की कमी के कारण जीवन में अकारण रुकावटें आ सकती हैं। इसलिए इन राशियों के लोग ज्योतिषीय सलाह के बिना काला धागा न पहनें।

पानी का मटका रखने की सबसे उत्तम जगह पूर्व दिशा, खुलेंगे तरक्की के द्वार

यूनिक समय, नई दिल्ली। वास्तु शास्त्र का बहुत महत्व बताया गया है। वास्तु शास्त्र में दिशाओं व वस्तुओं का सही जगह पर होने का बहुत महत्व है। अगर सही दिशा में चीजों को ना रखा जाये तो व्यक्ति के जीवन पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है। ऐसी ही एक रोजाना काम में आने वाली वस्तु है पानी का मटका जो कि हम बिना सोचे–समझे कहीं भी रख देते हैं। लेकिन आपको बता दें कि पानी का ये मटका अगर सही दिशा में रखा जाये तो यह हमारी तरक्की के मार्ग खोल सकता है।

दरअसल, गर्मियों का मौसम चल रहा है और ऐसे में हर घर में मटका रखा जाता है और उसका पानी पिया जाता है, लेकिन कई लोग इसे कहीं भी किसी भी दिशा में रख देते हैं जो कि बिल्कुल ठीक नहीं माना जाता है। वास्तु की मानें तो मटका रखने के लिए भी सही दिशा को चुनना

बेहद आवश्यक है। क्योंकि यह न केवल घर की ऊर्जा को सकारात्मक बनाता है बल्कि मां लक्ष्मी की कृपा भी दिलाता है। अगर ऐसे वास्तु शास्त्र के अनुसार सही दिशा में रखा जाए तो यह व्यक्ति की किस्मत के बंद दरवाजे खोल सकता है। तो चलिए ज्योतिषाचार्य व वास्तु सलाहकार डॉ अरविंद पचौरी से जानते हैं कि क्या है पानी का मटका रखने की सही दिशा।

उत्तर या पूर्व दिशा में रखें मटका: वास्तु शास्त्र के अनुसार घर की उत्तर दिशा में देवताओं का वास होता है।

जब आप इस दिशा में पानी से भरा मटका या सुराही रखते हैं तो घर में सुख–शांति और समृद्धि का प्रवेश होता है, वहीं पूर्व दिशा यानी ईशान कोण में भी मटका रखना शुभ माना गया है। इन दोनों दिशाओं पर बृहस्पति का प्रभाव होता है जो ज्ञान, वृद्धि और विकास के प्रतीक हैं।

बच्चों की तरक्की और करियर में मिलेगी सफलता : मटके को सही दिशा में रखने से न केवल घर की आर्थिक स्थिति में सुधार होता है बल्कि बच्चों का बौद्धिक और भौतिक विकास भी होता है। बृहस्पति की कृपा से घर के सदस्यों को करियर में नई ऊंचाइयों को छूने का अवसर मिलता है।

रखें यह खास ध्यान : मटके को हमेशा ढ़ककर रखें, लेकिन प्लास्टिक का ढक्कन न लगाएं। इससे लाभ कम हो सकता है। इसके बजाय मिट्टी के ढक्कन इस्तेमाल करें यह प्राकृतिक ऊर्जा को संतुलित करता है और लाभ को कई गुना बढ़ा देता है। ध्यान रखें कि जिस स्थान पर मटका रखा गया है उसे साफ रखना चाहिए। गंदगी से सकारात्मक ऊर्जा का संचार रुक सकता है।

छोटा प्रयास बड़ा परिणाम : कभी–कभी जीवन में बड़े बदलाव के लिए बड़े कदम उठाने की जरूरत नहीं होती। एक छोटा–सा मटका सही दिशा में रखकर आप अपने जीवन में सुख, शांति और धन की वर्षा ला सकते हैं। यह न केवल एक परंपरा है बल्कि पीढ़ियों से आजमाया गया वास्तु उपाय है जो आज भी उतना ही प्रभावशाली है।

सम्पादकीय

हर वैश्विक संगठन को चाहिए भारत का साथ

जी–7 देशों के 15 जून से शुरू होने वाले शिखर सम्मेलन का भारत को न्योता मिलने के बाद अटकलों पर विराम लग गया है। कहा जा रहा था कि कनाडा के साथ चल रही तनातनी को लेकर हो सकता है कि भारत को कनाडा की मेजबानी में होने वाले इस सम्मेलन में न बुलाया जाए। दुनिया की सात प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं (अमरीका, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान, फ्रांस, इटली और कनाडा) के इस सालाना आयोजन में भारत की कई बार सक्रिय भागीदारी रही है। जी–7 का सदस्य नहीं होने के बावजूद दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के साथ कई अहम वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के केन्द्र भारत को किसी भी अंतरराष्ट्रीय संगठन के आयोजन में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

पवन गौतम
संपादक

यह न्योता भारत की वैश्विक हैसियत को तो और मजबूत करने वाला है ही, भारत और कनाडा के रिश्तों को फिर पटरी पर लाने की दिशा में भी अहम साबित हो सकता है। जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में खालिस्तान समर्थक गतिविधियों और कनाडा में एक सिख नेता की हत्या के मामले में भारत पर लगाए गए आरोपों ने दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों में तनाव बढ़ाया था। कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी 'बीती ताहि बिसार दे, आगे की सुधि लेई' की मुद्रा में नजर आ रहे हैं। वह भारत के साथ बेहतर रिश्तों की इच्छा जता चुके हैं। उनकी भारतीय मूल की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने हाल ही कहा था कि उनका देश भारत के साथ रिश्ते सुधारने की दिशा में काम कर रहा है। कनाडा, दोनों देशों में उच्चायुक्तों की नियुक्ति के मुद्दे पर भी विचार कर रहा है। भारत के प्रति कनाडा के लचीले रुख को कुछ विश्लेषक 38 देशों के संगठन 'ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक कोऑपरेशन' (ओईसीडी) की उस चेतावनी से जोड़कर भी देख रहे, जिसमें अनुमान जताया गया था कि आने वाले समय में कनाडा की अर्थव्यवस्था वैश्विक मंदी से सबसे ज्यादा प्रभावित होगी। कार्नी भारत–चीन से रिश्ते सुधारकर कनाडा की अर्थव्यवस्था को ऊर्जा देने की कोशिश कर रहे हैं। दुनिया की नौवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कनाडा, घरेलू मोर्चे पर कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऊंची ब्याज दरें, महंगाई और कमजोर मांग से वहां घरेलू क्रय शक्ति घट रही है। प्रति व्यक्ति उत्पादन में गिरावट आ रही है और बेरोजगारी बढ़ रही है।

जी–7 सम्मेलन के न्योते का निहितार्थ यह भी है कि दुनिया भारतीय विदेश नीति का लोहा मान रही है। निर्गुट रहने के कारण हर वैश्विक संगठन के लिए उसका साथ जरूरी है। चाहे वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद हो, ब्रिक्स, क्वॉड, या जी–7 हो। उम्मीद है, जी–7 शिखर सम्मेलन में भारत के साथ मिलकर सभी देश आपसी विश्वास बहाली व कूटनीतिक सहयोग के नए द्वार खोलेंगे।

नजरिया

मीडिया की विश्वसनीयता पर उठते सवाल

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

आकाशवाणी का यह वह जमाना था जब टेलीप्रिंटर और टेलीफोन ही प्रमुख माध्यम होते थे। सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय से समाचारों की डाक आती थी वहीं प्रादेशिक समाचारों में समूचे प्रदेष के प्रमुख समाचारों का समावेश महत्वपूर्ण होता था।

मीडिया की विश्वसनीयता पर उठते सवालों के बीच आकाशवाणी और बाद में दूरदर्शन के शुरुआती वे दिन बरवस याद आ जाते हैं जब आकाशवाणी के नेशनल और प्रादेशिक समाचारों के प्रति आमजन के विश्वास को इसी से समझा जा सकता है कि चौराहों की चाय–पान की दुकानों पर खड़े होकर भी समाचार सुनने में किसीको कोई संकोच ना होकर गर्व महसूस होता था। आकाशवाणी के नेशनल समाचारों की बात हो तो सुबह 8 बजे और रातः पौने नो बजे के समाचार बुलेटिनों की बेसब्री से प्रतीक्षा होती थी तो प्रातःकालीन प्रादेशिक समाचार के साथ ही खासतौर से सायंकालीन सात बजे के प्रादेशिक समाचार को कोई भी प्रदेशवासी मिस नहीं करना चाहता था। आकाशवाणी और दूरदर्शन का यह स्वर्णकाल इस मायने में कहा जा सकता है कि सरकारी नियंत्रण में होने के बावजूद आमआदमी तो क्या पक्ष और विपक्ष के नेतागण भी समाचारों की विश्वसनीयता पर प्रश्न नहीं उठा पाते थे। होता तो यहां तक था कि आकाशवाणी के कार्यक्रमों से लोग अपनी घड़ियों को मिलाया करते थे। विश्वसनीयता का यह कोई आसान काम नहीं था पर उस समय के दिग्गज मीडियाकर्मियों ने अपनी मेहनत, लगन और निष्पक्षता से सींचने का काम किया और उसका परिणाम यह रहा कि उस समय के मीडिया दिग्गजों को समूचे समाज में चाहे वह राजनीतिक स्तर हो, ब्यूरोक्रेटिक स्तर हो या फिर आमजन सभी जगह सम्मान से देखा जाता था। यदि प्रादेशिक स्तर की बात की जाए तो आकाशवाणी जयपुर अजमेर के समाचार संपादक और बादमें दूरदर्शन जयपुर केन्द्र के समाचार एकांश के निदेशक मोहनराज सिंघवी जिन्हे मीडिया जगत में एमआर सिंघवी के नाम से जाना जाता रहा है की मेहनत, निष्पक्षता और मीडिया की स्वतंत्रता की पक्षधरता का ही परिणाम रहा कि मीडिया जगत में एमआर सिंघवी एक ब्राण्ड के नाम से पहचान बनाने में कामयाब रहे। पक्ष–विपक्ष के सभी नेता, समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधियों सहित आमजन में जिस तरह की छवि एमआर सिंघवी की बनी वह आजके मीडिया कर्मियों के लिए इच्छा का कारण बन सकती है तो प्रेरणास्पद भी है। बात में इतना दम की क्या तो मुख्यमंत्री से लेकर मंत्रीमण्डल के सदस्यगण और क्या ब्यूरोक्रेसी के कर्ताधर्ता एमआर सिंघवी की बात को कमतर समझने की भूल भी नहीं कर सकते थे।

यह आज के समय में अविश्वसनीय कल्पना ही हो सकती है कि 90 के दशक में एमआर सिंघवी के आकाशवाणी जयपुर पिंकसिटी पेट्रोलपंप के पास स्थित आवास पर मिलनेवाले जरूरतमंद लोगों का जमावड़ा इस तरह से लगा रहता था जैसे किसी राजनेता के निवास पर लगा होता था। पीड़ित व्यक्ति के लिए एमआर सिंघवी एक सहारा रहे हैं।

इसका कारण भी यह रहा कि यदि काम जायज है और हितकारक है तो सिंघवी जी आने वाले व्यक्ति के सामने ही संबंधित मंत्री से लेकर अधिकारी को फोन करने में किसी तरह का संकोच नहीं करते थे और आने वाले व्यक्ति की आंखें एहसान से बोझिल हो जाती तो काम भी आसानी से हो जाता था। खासबात यह कि बिना जानपहचान भी कोई अपने दुखदर्द को लेकर पहुंच जाता था तो सहयोग करने में कोई कोरकसर नहीं छोड़ते। मैं स्वयं इसका उदाहरण हूं। किसी दिन आकाशवाणी के अनुबंध पर समाचार अनुभाग के लिए लिखित परीक्षा हुई और एक दिन एकाएक घर पर आकाशवाणी से अनुबंध का पत्र आ गया। डिप्लोमा भले ही पत्रकारिता में कर लिया हो पर अनुभव के मामलें में शून्य होने के बावजूद जिस तरह से सिंघवी जी ने मेरे जैसे को तराशा उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मजे की बात यह कि एमआर सिंघवी पोलियों से ग्रसित होने के कारण चलने फिरने में असुविधा के बावजूद किसी के भी सहयोग के लिए उनके साथ जाने को तैयार हो जाते। विकलांगों के लिए उन्होंने संघर्ष करने के साथ ही स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के खेलों का आयोजन, संयोजन व प्रोत्साहन दिया। देवेन्द्र झाझड़िया तो एक उदाहरण मात्र है जिन्हें विश्वपटल पर पहचान सिंघवी जी की प्रेरणा–प्रोत्साहन और सहयोग से ही संभव हो सका।

आकाशवाणी का यह वह जमाना था जब टेलीप्रिंटर और टेलीफोन ही प्रमुख माध्यम होते थे। सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय से समाचारों की डाक आती थी वहीं प्रादेशिक समाचारों में समूचे प्रदेश के प्रमुख समाचारों का समावेश महत्वपूर्ण होता था। ऐसे में लगभग प्रतिदिन समाचार संपादक होने के बावजूद बिना किसी संकोच के फोन से समाचार लेने व स्वयं लिखने तक में संकोच नहीं करने के कारण ही मीडिया जगत में पहचान और विश्वसनीयता बनी। बुलेटिन में खबरों के चयन से लेकर प्रसारण तक तनावरहित वातावरण में काम करना और नए लोगों को प्रोत्साहित करना यही तो सिंघवी जी की पहचान रही। हिम्मत यह कि जयपुर दूरदर्शन निदेशक समाचार रहते हुए तत्कालीन केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री स्व. गिरिजा व्यास के जयपुर में एक ब्यूटीपार्लर के उद्घाटन के समाचार प्रसारित करने के दबाव के बावजूद मीडिया मानदंडों के विरुद्ध बताते हुए प्रसारित नहीं करना सिंघवी जैसे बिड़ला ही कर सकते हैं। इसी तरह से तत्कालीन मुख्यमंत्री जगन्नाथ पहाडिया के पिताजी के देहावसन के समाचार प्रसारण के लिए लाख दबाव के बावजूद विनम्रता से नीति विरुद्ध जाकर समाचार प्रसारित नहीं करने का निर्णय कोई सिंघवी जैसा ही ले सकता है। आज तो केन्द्रीय मंत्री वो भी स्वयं का माईबाप यानी कि स्वयं के विभाग का हो तो उसकी खबर तो क्या आगे पीछे सेवा सुश्रुषा में ही लगे रहने में गर्व महसूस करते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि एमआर सिंघवी कोई ऐसे ही नहीं बनता, कोई ऐसे ही राजनेताओं, पक्ष विपक्ष के छोटे से लेकर बड़े नेताओं, ब्यूरोक्रेट्स सभी के लिए सम्मानजनक अपनी कार्यशैली, निष्पक्षता, निष्ठा और मेहनत से ही बना पाता है। प्रदेश का संभवतः कोई छोटा–बड़ा नेता या अधिकारी ऐसा नहीं होगा जो एमआर सिंघवी के नाम, पहचान और उनकी कार्यशैली का कायल नहीं होगा। इतने विस्तृत केनवास पर पहचान और विश्वसनीयता कोई ऐसे नहीं बन जाती बल्कि यह ईमानदारी, निस्वार्थता और सहायता और सहयोग की भावना के कारण ही हो पाता है। यही सिंघवी जी की पूंजी मानी जा सकती है। समाचार में समाचारत्व है तो उसे बिना किसी पक्षपात के स्थान मिलता वहीं तत्कालीन राज्यपाल जोगेन्द्र सिंह द्वारा रिकार्ड वाइस ओवर प्रसारित कराने के दबाव के बावजूद स्तरीय नहीं होने से प्रसारित नहीं करने का साहस कोई एमआर सिंघवी ही कर सकता है।

यह सब इसलिए कि आज मीडिया की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में खड़ी हो गई है। खासतौर से इलेक्ट्रोनिक चैनलों की विश्वसनीयता पूरी तरह से दाव पर लग चुकी है। चैनलों पर बेसिरफेर की चर्चा और आरोप–प्रत्यारोप का मंच बनना आज आम हो गया है। रही सही कसर सोशियल मीडिया ने कर दी है जहां अपलोड सामग्री भ्रम पैदा करने का काम करने के साथ ही उसकी विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़ी कर देती है यही कारण है कि चैनलों पर समाचार प्रसारित होते समय वीडियो की विश्वसनीयता पर स्वयं चैनल द्वारा सवाल खड़े किया जाना आम है। होना तो यह चाहिए कि जब तक समाचार संपादक स्वयं संतुष्ट नहीं हो जाए तब तक केवल टीआरपी के चक्कर में ऐसे समाचार व वीडियो को प्रसारित ही नहीं करना चाहिएं। क्योंकि यह सवाल दर्शकों के विश्वास को बनाए रखने का हो जाता है। एक समय था जब कोई भी बड़ी घटना हो जाती थी तो लोग आकाशवाणी के आगामी समाचार बुलेटिन पर कान लगाकर पुष्टि होने पर ही विश्वास करते थे। आज अपुष्ट समाचार आम होते जा रहे हैं। आकाशवाणी के पुराने दिनों और एमआर सिंघवी जैसे व्यक्तित्व व संपादकों के बहाने आज मीडिया की विश्वसनीयता का वहीं पुराना युग देखने का प्रयास किया जाना चाहिए। प्रसारित समाचार की विश्वसनीयता पर कोई सवाल उठता है तो फिर यह मीडिया के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होना चाहिए। मीडिया जगत को आज एमआर सिंघवी जैसे मीडिया दिग्गज की आवश्यकता महसूस हो रही है ताकि मीडिया चाहे इलेक्ट्रोनिक हो या प्रिंट उस पर प्रसारित या प्रकाशित समाचार को वेदवाक्य की तरह विश्वसनीय माना जाए। बदलते हालात में आज यह आवश्यकता अधिक हो गई है क्योंकि समाज आज भ्रमित अधिक हो रहा है तो मीडिया और सोशियल मीडिया ने विश्वसनीयता को ही प्रष्नों के घेरे में खड़ा कर दिया है। समाचार पर प्रश्न उठने की कोई संभावना ही नहीं होनी चाहिए।

विचार विण्डो

मोदी सरकार की उपलब्धियों के ग्यारह साल

उमेश चतुर्वेदी

मोदी के कार्यकाल की कई उपलब्धियां हैं। मोटे तौर पर सबसे बड़ा जो बदलाव दिखता है, वह है कि इस पूरी अवधि में देश में कोई बड़ा भ्रष्टाचार नहीं दिखा। ऐसा नहीं कि सरकारी तंत्र से भ्रष्टाचार पूरी तरह खत्म हो गया है।

भारतीय परंपरा में ग्यारह की संख्या शुभ मानी जाती है। पारिवारिक और धार्मिक समारोहों में शगुन के रूप में ग्यारह रूपए की भेंट देने की परंपरा इसी वजह से रही है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल को शगुन काल भी कह सकते हैं। ग्यारह साल का वक्त कम नहीं होता। इस दौरान पीढ़ी भी बदल जाती है। ऐसे में इस पूरे दौर का जो मूल्यांकन होगा, उसे पीढ़ीगत नजरिए से भी देखना होगा, क्योंकि हर नई पीढ़ी का नजरिया बुजुर्गों से अलग होता है। इन अर्थों में देखेंगे तो प्रधानमंत्री मोदी और उनका कार्यकाल अनूठा लगेगा। मोदी और उनकी कार्यशैली पुरानी पीढ़ी को भी पसंद हैं और नई पीढ़ी के तो प्रेरक हैं ही। इसकी वजह है, उनकी अद्भुत संप्रेषण कला, जिसके जरिए वे सीधे लोगों के दिलों से जुड़ जाते हैं।

नेहरू और इंदिरा के कार्यकाल के बाद लंबा कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री की सूची में मोदी पहुंच चुके हैं। किसने सोचा था कि 1984 में महज दो लोकसभा सीटों तक सिमटने वाली भारतीय जनता पार्टी कभी लगातार तीन संसदीय चुनावों में बाजी मारती रहेगी। इसमें शक नहीं कि यह उपलब्धि भारतीय जनता पार्टी को मोदी के नेतृत्व से ही हासिल हुई है। अगर जनता ने मोदी पर लगातार भरोसा जताया तो इसकी वजह है उनकी कार्यशैली। 2014 की जीत में लोगों की उम्मीदें थीं। इन उम्मीदों की वजह विकास का उनका गुजरात मॉडल रहा। लोगों की उम्मीदों को पूरा करने की उन्होंने जो कोशिश की, 2019 में उसे जनता का भरपूर साथ मिला। उनमें भरोसे की वजह ही थी कि उन्हें और ज्यादा भारी बहुमत से रायसीना की पहाड़ियों के बीच शपथ लेने का मौका मिला। इस कड़ी में देखें तो 2024 में बहुमत से दूर रह जाना खटकता है। लेकिन नहीं भूलना चाहिए कि दस साल के कार्यकाल में आकांक्षाओं का उद्दाम होना स्वाभाविक है और सारी आकांक्षाओं का पूरा कर पाना भी संभव नहीं है। इसलिए कुछ लोग हो सकता है निराश भी रहे हों। जिसका असर चुनाव नतीजों पर दिखा।

मोदी के कार्यकाल की कई उपलब्धियां हैं। मोटे तौर पर सबसे बड़ा जो बदलाव दिखता है, वह है कि इस पूरी अवधि में देश में कोई बड़ा भ्रष्टाचार नहीं दिखा। ऐसा नहीं कि सरकारी तंत्र से भ्रष्टाचार पूरी तरह खत्म हो गया है। जमीनी स्तर पर सरकारी तंत्र की सोच में पारंपरिक भ्रष्टाचारी गंध है। मोदी सरकार के कार्यकार में यह हुआ है कि भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा कसता रहा है। इस शिकंजे से न तो अधिकारी बाहर हैं और न ही राजनेता। तकरीबन पूरे देश में सरकारी तंत्र के कामकाज का अपना तरीका रहा है, उसकी अपनी गति रही है। लेकिन मोदी के नेतृत्व में अब कामकाज का तरीका बदला है। इसे समझने के लिए हाल ही में हुए दुनिया के सबसे ऊंचे पुल के उद्घाटन समारोह को देख सकते हैं। चिनाब पुल के उद्घाटन के वक्त जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जब इस परियोजना की शुरुआत हुई, तब वे आठवीं में पढ़ रहे थे, अब वे पचपन साल के हैं और अब जाकर यह पूरा हो पाया है। मोदी के ग्यारह साल के शासन में तंत्र का कामकाज का तरीका बदला है। अब वह ज्यादा अनुशासित और लक्ष्यों को वक्त पर पूरा करने को लेकर ज्यादा प्रतिबद्ध हुआ है। नौकरशाही में संजीदापन तो आया है, लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में नौकरशाही पर तंत्र के दूसरे अंगों की बजाय ज्यादा भरोसा बढ़ने की वजह से तटस्थ लोगों की नजर में ब्यूरोक्रेसी कई मामलों में बेलगाम भी हुई है। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस समय मोदी सरकार अपनी ग्यारहीं सालगिरह मनाने जा रही है, उसी वक्त विश्व बैंक की एक रिपोर्ट आई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान देश में गरीबों की संख्या 27.1 फीसद से घटकर 5.3 प्रतिशत रह गई है। इससे पहले बीते एक दशक में अत्यधिक गरीबी में जिंदगी गुजार रहे लोगों की दर 2011–12 में जहां 27.1 प्रतिशत रही, वह घट कर 5.3 फीसद रह गई है। यह तब हुआ है, जब विश्व बैंक ने गरीबी रेखा के लिए तीन डॉलर प्रतिदिन खर्च की सीमा कर दी है, जबकि इसके पहले यह सीमा 2.15 डॉलर प्रतिदिन थी। जाहिर है कि इसके पीछे 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अन्न योजना के साथ ही उज्ज्वला, मुद्रा आदि योजनाओं की कामयाबी रही है। मोदी सरकार की कई उपलब्धियां है। देश ने मेडिकल कॉलेजों के मोर्चे पर बड़ी सफलता हासिल की है। साल 2014 में जहां इन कॉलेजों की संख्या 387 थी, वह 2025 में बढ़कर 780 हो गई है। इसी तरह एमबीबीएस की सीटें भी 51,348 से बढ़कर 2024 में 1.18 लाख हो गई हैं। मोदी सरकार के कार्यकाल में बीजेपी के दावे के अनुसार, 17.1 करोड़ नई नौकरियां निकलीं। इस दौरान स्टार्टअप से 1.61 लाख युवाओं को रोजगार मिला। बीजेपी के दावे के अनुसार, सरकार की कौशल विकास मिशन के तहत अब तक 2.27 करोड़ से अधिक युवाओं को ट्रैनिंग मिल चुकी है। उज्ज्वला योजना के तहत अब तक करीब दस करोड़ 28 लाख से ज्यादा गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं। मुद्रा योजना के तहत करीब 52करोड़ ऋण खाते खोले गए हैं, यानी करीब इतने लोगों को कर्ज मिल चुका है। इससे उद्यमशीलता को बढ़ावा मिला है। प्रधानमंत्री आवास, जन–धन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने देश में बदलाव लाने में बड़ी भूमिका निभाई है। देशभर में बारह करोड़ शौचालयों का निर्माण भी मामूली उपलब्धि नहीं है। मोदी सरकार की इन योजनाओं के चलते देश में बदलाव हुआ है। सबसे बड़ा बदलाव डीबीटी यानी सीधे कैश ट्रांसफर की योजनाओं ने ग्रामीण और कमजोर वर्गों तक शासन की योजनाओं की पहुंच बढ़ाई है। जापान को पछाड़कर भारत हाल ही में दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसका भी श्रेय मोदी सरकार को ही जाता है। देश सिर्फ आर्थिक ही नहीं, सांस्कृतिक मोर्चे पर लगातार विकास कर रहा है। इस विकास में परंपरा, आधुनिकता और वैश्विक जुड़ाव का अद्भुत समावेश नजर आता है। मोदी सरकार की ही देन है कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन का महाकाल लोक, मां कामाख्या मंदिर, राम मंदिर अयोध्या, केदारनाथ धाम और जूना सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ है। राममंदिर के निर्माण की उपलब्धि ही मोदी सरकार के खाते में जाती है। इसी दौरान उत्तराखंड में चारधाम राजमार्ग परियोजना, हेमकुंड साहिब रोपवे और बौद्ध सर्किट विकास जैसी योजनाएं शुरू हुईं। करतारपुर कॉरिडोर के चलते पाकिस्तान स्थित दरबार साहिब भारतीय सिखों के लिए सुलभ हुआ। इसी दौरान राष्ट्रनिर्माताओं को सम्मान देने की दिशा में प्रधानमंत्री संग्रहालय, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, राष्ट्रीय पुलिस स्मारक, जलियांवाला बाग स्मारक और 11 आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय जैसे संस्थान बनाए गए। मोदी के कार्यकाल में ही देश की खोई धरोहरों की वापसी का अभियान तेज हुआ। 2013 से पहले विदेशों में चोरी से गई सिर्फ 13 प्राचीन वस्तुओं की ही वापसी हुई थी, जबकि 2014 के बाद से अब तक 642 प्राचीन वस्तुएं भारत लौटाई गई हैं, जिनमें से अकेले अमेरिका से 578 कलाकृतियां लौटी हैं।आयुर्वेद और योग की वैश्विक मान्यता भी मोदी सरकार की ही उपलब्धि कही जाएगी।

मोदी सरकार के ही कार्यकाल में आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति बनी और उसे लागू किया गया। ऑपरेशन सिंदूर उसका ही प्रतीक है। जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 का खात्मा, 2019 में पुलवामा हमले के जवाब में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक, जैसे कदम मोदी सरकार ने ही उठाए। मोदी के शासन काल में भारत ने ग्लोबल साउथ की अवधारणा को मजबूत करते हुए अफ्रीकी देशों से नए सिरे से संबंध बढ़ाए। रूस और यूक्रेन युद्ध और अमेरिकी रोक–टोक के बावजूद भारत रूस से सस्ती दरों पर पेट्रोलियम तेल खरीदने में सफल रहा। उत्तर पूर्वी राज्यों को देश की मुख्यधारा से जोड़ने की कोशिशें इसी दौर में तेजी से बढ़ीं। नक्सलवाद पर लगाम भी तेजी से इसी दौर में लगा।

मोदी सरकार की उपलब्धियों की फेहरिस्त लंबी है। लेकिन भारत जैसे बहुभाषी, बहुरंगी देश में अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। आर्थिक आय की असमानता में संतुलन आज की बड़ी जरूरत है। भारत को यूरोप की तर्ज पर विकसित करने, प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने की जरूरत अब भी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले दिनों में भारत इन उपलब्धियों को भी हासिल करने में सफल रहेगा।

बेंगलुरु भगदड़ में गई थी 11 लोगों की जान

आरसीबी ने खटखटाया कर्नाटक हाईकोर्ट का दरवाजा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में पहली बार चैंपियन बनने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम की ओर से बेंगलुरु में 4 जून को आयोजित किए गए विजय जश्न के दौरान मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। इस दर्दनाक हादसे के बाद अब आरसीबी की फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स लिमिटेड ने कर्नाटक हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

दरअसल, 3 जून को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को हराकर आरसीबी ने पहली बार ट्रॉफी पर कब्जा जमाया था। इसके बाद 4 जून को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक विक्ट्री परेड रखी गई थी। इसी दौरान भारी भीड़ के कारण भगदड़ मच गई, जिसमें 11 लोगों की जान चली गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए।

'हमें गलत तरीके से फंसाया गया है' घटना के बाद कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में आरसीबी, इवेंट मैनेजमेंट कंपनी डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क, कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन समेत अन्य के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। अब आरसीएसएल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए कहा है कि उन्हें इस मामले में गलत तरीके से फंसाया जा रहा है। कंपनी का कहना है कि उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में स्पष्ट कर दिया था कि इस कार्यक्रम में एंट्री फ्री जरूर है, लेकिन इसके लिए पहले ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन जरूरी होगा। आयोजन की जिम्मेदारी केएससीए की थी और प्रबंधन की जिम्मेदारी डीएनए नेटवर्क को सौंपी गई थी। डीएनए और केएससीए ने भी दाखिल की याचिका

इवेंट मैनेजमेंट कंपनी डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क ने भी एफआईआर को खारिज करने के लिए हाईकोर्ट का रुख किया है। कंपनी का कहना है कि स्टेडियम के बाहर पर्याप्त पुलिस बल नहीं था, जिससे भीड़ को नियंत्रित करने में परेशानी हुई।

सीआईडी कर रही जांच, आरसीबी अधिकारी हिरासत में इस पूरे मामले की जांच अब सीआईडी को सौंपी गई है। आरसीबी के मार्केटिंग और रेवेन्यू हेड निखिल सोसले को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

वहीं हाईकोर्ट ने पुलिस को फिलहाल केएससीए अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्यवाही न करने का आदेश दिया है।

पुलिस का पक्ष बेंगलुरु पुलिस का कहना है कि उन्होंने पहले ही कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी थी, क्योंकि उसी दिन विधानसभा में भी आरसीबी की जीत को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वे 4 जून की सुबह 5:30 बजे तक स्टेडियम के आसपास तैनात थे, बावजूद इसके भीड़ बेकाबू हो गई।

सिद्धार्थ के साथ रिश्ते पर किया बड़ा खुलासा

दीपिका पादुकोण बनना चाहती थीं माल्या खानदान की बहू

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। रणवीर सिंह संग शादी और बेटी 'दुआ' के साथ खुशहाल जिंदगी बिता रहीं दीपिका का नाम कभी बिजनेस टायकून विजय माल्या के बेटे सिद्धार्थ माल्या से भी जुड़ा था। जी हां, एक वक्त ऐसा भी था जब दीपिका और सिद्धार्थ के रिश्ते को लेकर खूब चर्चा होती थी। कहा जाता है कि रणवीर सिंह से पहले दीपिका इस मशहूर उद्योगपति परिवार की बहू बनना चाहती थीं।

रणबीर कपूर से ब्रेकअप के बाद आया सिद्धार्थ का नाम मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब दीपिका पादुकोण का दिल रणबीर कपूर ने तोड़ा, तब उनकी जिंदगी में सिद्धार्थ माल्या की एंट्री हुई। दोनों को कई बार पब्लिक इवेंट्स और क्रिकेट मैचों में साथ देखा गया। दीपिका ने भी एक इंटरव्यू में ये स्वीकार किया था कि वे सिद्धार्थ को डेट कर रही हैं। हालांकि ये रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं चला और दोनों का ब्रेकअप हो गया।

दीपिका ने बताई ब्रेकअप की वजह ब्रेकअप के बाद दीपिका ने एक इंटरव्यू में सिद्धार्थ माल्या के साथ अपने रिश्ते को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए। उन्होंने कहा था, मैंने उस रिश्ते को बचाने की बहुत कोशिश की, लेकिन उनका बर्ताव बहुत ही घटिया था। दीपिका के मुताबिक, एक डिनर डेट पर सिद्धार्थ ने उनसे बिल भरने को कहा था, जिससे वो काफी शर्मिंदा हुई थीं।

'मुझे सस्ती सेल में ड्रेस दिलवाई, रिक्शे में चलने को कहा' दीपिका ने बताया,"एक बार जब मैंने ड्रेस की बात की तो वो मुझे सीजन एंड सेल में ले गया, जहां वो पागलों की तरह मोलभाव करने लगा। फिर ताज होटल में डिनर के दौरान उसने बिल मुझे पकड़ा दिया। उस पल मुझे एहसास हुआ कि ये रिश्ता अब खत्म करना ही बेहतर होगा।"

दीपिका के मुताबिक, यही उनकी आखिरी डेट थी।

सिद्धार्थ ने दीपिका को कहा था 'पागल औरत' वहीं, सिद्धार्थ माल्या ने भी दीपिका के दावों पर पलटवार करते हुए एक इंटरव्यू में उन्हें 'पागल औरत' करार दिया था। उन्होंने यहां तक कहा कि वे दीपिका के सारे पैसे लौटा देंगे।

दीपिका और सिद्धार्थ का यह रिश्ता भले ही अब अतीत बन चुका हो, लेकिन दोनों के बयान आज भी इस टूटे रिश्ते की कड़वाहट बयां करते हैं। अब दीपिका अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुकी हैं और एक सक्सेसफुल व खुशहाल जिंदगी जी रही हैं।

कपिल शर्मा शो में सिद्धू की वापसी

अर्चना को लगा तगड़ा झटका

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेटफ्लिक्स पर लौट रहे द ग्रेट इंडियन कपिल शो के नए सीज़न का धमाकेदार प्रोमो सामने आया है। इस बार शो में एक ऐसा सरप्राइज देखने को मिला, जिसने दर्शकों को तो खुश कर दिया लेकिन शो की जज अर्चना पूरन सिंह के होश उड़ा दिए।

कॉमेडी के बादशाह कपिल शर्मा एक बार फिर दर्शकों को हंसी के ठहाकों में डुबोने के लिए तैयार हैं। और प्रोमो में कपिल ने जो सरप्राइज दिया है, उसने हर किसी को हैरान कर दिया है। नेटफ्लिक्स के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किए गए प्रोमो में दिखाया गया है कि कपिल, अर्चना पूरन सिंह की आंखों पर पट्टी बांधकर उन्हें स्टेज पर लाते हैं। अर्चना को लगता है कि उन्हें कोई बड़ा गिफ्ट मिलने वाला है, शायद घर या कार। लेकिन जैसे ही पट्टी हटती है, सामने खड़े होते हैं नवजोत सिंह सिद्धू।

सिद्धू को देखकर अर्चना का चेहरा देखते ही बनता है। उनके होश उड़ जाते हैं और वो हक्की–बक्की रह जाती हैं। मजाकिया अंदाज में वो कहती हैं, "मेरी आवाज को कोई छीन नहीं सकता!" इस लाइन पर कपिल और दर्शक जमकर ठहाके लगाते हैं। गौरतलब है कि नवजोत सिंह सिद्धू एक वक्त पर कपिल के शो की जान माने जाते थे। उनकी शायरी, हंसी और ठेठ पंजाबी अंदाज ने शो को अलग पहचान दी थी। हालांकि बाद में उनकी जगह अर्चना पूरन सिंह ने ली थी और तब से वह शो का अभिन्न हिस्सा रही हैं।

फिलहाल तो एक बात तय है–इस प्रोमो ने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

भारत के चलते ऑस्ट्रेलिया को नहीं मिली लॉर्ड्स में एंट्री

यूनिक समय, नई दिल्ली। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की तैयारी के लिए इंग्लैंड पहुंचे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट खिलाड़ियों को शुरुआत में लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में ट्रेनिंग की अनुमति नहीं मिली। फॉक्स क्रिकेट की रिपोर्ट के मुताबिक, उस समय भारतीय टीम पहले से ही लॉर्ड्स में अभ्यास कर रही थी, जिसकी वजह से ऑस्ट्रेलिया को ग्राउंड में एंट्री नहीं दी गई।

हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका कि भारतीय टीम की मौजूदगी की वजह से ही ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को रोका गया या इसके पीछे कोई और कारण था। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारी के लिए लॉर्ड्स में अभ्यास कर रही है। गौरतलब है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्व टेस्ट

चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला 11 जून से खेला जाएगा। वहीं भारतीय टीम लॉर्ड्स में अपना पहला टेस्ट 10 जुलाई से खेलेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार को आखिरकार ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को भी ग्राउंड में ट्रेनिंग की अनुमति मिल गई। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले दोनों टीमों की तैयारियों को लेकर नए सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं।

इंग्लैंड दौरे से पहले ऋषभ पंत की बैटिंग पर लगी रोक!

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंग्लैंड दौरे की तैयारी में जुटी टीम इंडिया को एक बड़ा झटका उस वक्त लगा जब उपकप्तान ऋषभ पंत को अभ्यास सत्र के दौरान बाएं हाथ में चोट लग गई। हैरानी की बात तब हुई जब हेड कोच गौतम गंभीर ने खुद पंत की बैटिंग को बीच में रोक दिया और उन्हें नेट्स से बाहर बुला लिया।

भारतीय टीम इस समय बेकनहैम (लंदन) में टेस्ट सीरीज की तैयारियों में जुटी है। 20 जून से शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए यह प्रैक्टिस कैंप बेहद अहम माना जा रहा है। इसी दौरान रविवार को पंत नेट्स में जबरदस्त लय में नजर आए। उन्होंने पहले थ्रोडाउन गेंदबाजों के खिलाफ बल्लेबाजी की, फिर जडेजा, सुंदर और कुलदीप जैसे स्पिनरों के खिलाफ अभ्यास किया। इसके बाद बुमराह, सिराज और अर्शदीप जैसे तेज गेंदबाजों का सामना भी किया।

प्रैक्टिस के बीच में पंत के बाएं हाथ पर एक गेंद आकर लगी, जिसके बाद वे तुरंत नेट्स से बाहर आ गए। टीम फिजियो ने तुरंत उनका हाथ चेक किया, आइस पैक लगाया और पट्टी बांध दी। पंत ने करीब एक घंटे का ब्रेक

लिया। हालांकि बाद में उन्होंने खुद कहा कि अब वह बिल्कुल ठीक हैं और डॉक्टरों ने भी पुष्टि की है कि यह कोई गंभीर चोट नहीं है।

गौर करने वाली बात ये रही कि इस पूरे घटनाक्रम के दौरान कोच गौतम गंभीर खुद नेट्स के पास पहुंचे और पंत को बैटिंग से रोक दिया। गंभीर ने पंत से कुछ देर तक बातचीत की और फिर वहीं खड़े होकर उनकी स्थिति का जायजा लेते रहे। आमतौर पर गंभीर प्रैक्टिस के बीच में खिलाड़ियों को नहीं रोकते, ऐसे में इस फैसले ने सभी को चौंका दिया।

ऋषभ पंत न केवल टीम के उपकप्तान हैं बल्कि इंग्लैंड जैसे मुश्किल हालात में उनका अनुभव भारत के लिए बेहद अहम साबित हो सकता है। लंबी चोट के बाद टीम में लौटे पंत की फिटनेस और फॉर्म पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

कोहली स्टाइल में दिखे रोनाल्डो

खिताब जीतकर घुटनों पर बैठे, सिर झुका रो पड़े

यूनिक समय, नई दिल्ली। फुटबॉल जगत के महान खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो की हालिया तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। वजह है उनका इमोशनल अंदाज, जो हूबहू विराट कोहली जैसा नजर आया। दरअसल, नेशंस लीग 2025 के फाइनल में पुर्तगाल ने स्पेन को पेनल्टी शूटआउट में हराकर दूसरी बार खिताब पर कब्जा किया। जीत के बाद रोनाल्डो मैदान पर घुटनों के बल बैठ गए और सिर झुका लिया–बिलकुल वैसे ही जैसे विराट कोहली ने आईपीएल 2025 की ट्रॉफी जीतने के बाद किया था। रोनाल्डो उस समय पेनल्टी शूटआउट का हिस्सा नहीं बन पाए थे, लेकिन जैसे

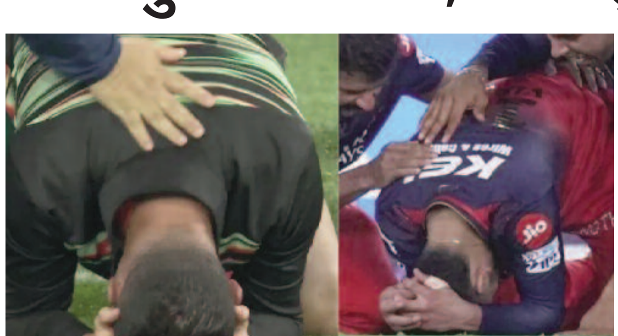

ही आखिरी गोल में पुर्तगाल ने जीत दर्ज की, रोनाल्डो की आंखों से आंसू छलक पड़े। वह खुशी से घुटनों पर बैठ गए और अपना चेहरा बाजुओं में छुपा लिया। यह दृश्य देख फैन्स को तुरंत विराट कोहली की याद आ गई, जो आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ऐतिहासिक जीत के बाद इसी अंदाज में दिखे थे।

तीन जून को आईपीएल 2025 के फाइनल में आरसीबी ने पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार ट्रॉफी जीती थी। विराट कोहली जीत के बाद मैदान में घुटनों के बल बैठ गए थे और उनकी आंखों से आंसू रुक नहीं रहे थे।

फुटबॉल फाइनल में रोनाल्डो ने स्पेन के खिलाफ शानदार गोल दागा था, जिससे मैच बराबरी पर आ गया। फिर शूटआउट में पुर्तगाल ने जीत हासिल की। कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने कहा, "स्पेन दो बार बढ़त में था, लेकिन रोनाल्डो के अनुभव ने हमें वापसी कराई।" टीम साथी नूनो मेंडेस ने कहा, "वो मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह हमारे रोल मॉडल हैं। हर खिताब के हकदार हैं।

शाहजहांपुर हाईवे हादसा: नैनीताल जा रही कार खड़े ट्रक से टकराई

हादसे में पिता–पुत्र समेत तीन की मौत, तीन गंभीर घायल

यूनिक समय, शाहजहांपुर। शाहजहांपुर के रोजा थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें गोरखपुर से नैनीताल घूमने जा रहे एक परिवार की कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में पिता–पुत्र समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने ट्रक जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश की जा रही है।

यह हादसा लखनऊ–बरेली हाईवे पर स्थित जमुका गांव के पास सुबह करीब 6 बजे हुआ। गोरखपुर जिले के मालवीय नगर निवासी परिवार अपने निजी वाहन से उत्तराखंड के नैनीताल जा रहा था। उसी दौरान जमुका गांव के पास सड़क के किनारे एक ट्रक खड़ा था, जिससे मोरंग की लोडिंग चल रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ट्रक से पीछे से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग बुरी तरह फंस गए।

स्थानीय लोगों ने चीख–पुकार सुनकर तुरंत मदद के लिए दौड़ लगाई और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और ग्रामीणों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर तुरंत राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया।

इस दर्दनाक हादसे में 42 वर्षीय श्वेता द्विवेदी, 35 वर्षीय शिवम पांडे और उनका दो वर्षीय बेटा माधवन की जान चली गई। वहीं, 23 वर्षीय अंगद यादव, 27 वर्षीय शालिनी पांडे और दो वर्षीय सिद्धू द्विवेदी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उनका इलाज जारी है।

हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और यह भी स्पष्ट करने की कोशिश कर रही है कि ट्रक को सड़क के किनारे खड़ा करने के नियमों का पालन किया गया था या नहीं। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारे हाईवे पर भारी वाहनों की अनियमित पार्किंग सड़क सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बनती जा रही है?

लखनऊ के शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष मिशन के लिए रवाना

यूनिक समय, लखनऊ। भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ने जा रहा है। लखनऊ के निवासी और भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला मंगलवार 10 जून को अंतरिक्ष की ऐतिहासिक यात्रा पर रवाना होंगे। वह एक्सिओम स्पेस के एक्सिओम–4 मिशन का हिस्सा होंगे, जो नासा और स्पेसएक्स की साझेदारी से संचालित हो रहा है।

41 वर्षों के बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की ओर जा रहा है। इससे पहले वर्ष 1984 में राकेश शर्मा ने यह गौरव हासिल किया था। शुभांशु शुक्ला 'शक्स' उपनाम से भी जाने जाते हैं और वह दूसरे भारतीय बनेंगे जो आईएसएस की यात्रा करेंगे।

यह अंतरिक्ष मिशन फ्लोरिडा स्थित नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से भारतीय समयानुसार सुबह 6:12 बजे स्पेसएक्स के फॉल्कन 9 रॉकेट द्वारा लॉन्च किया जाएगा। अंतरिक्ष यान की यात्रा लगभग 28 घंटे की होगी और 11 जून की रात 10 बजे यह आईएसएस से जुड़ेगा।

घर पर जश्न का माहौल

शुभांशु के इस मिशन को लेकर उनके परिवार और शहर में खासा उत्साह है। उनके घर को उनकी जीवन यात्रा से जुड़े प्रेरणादायक पोस्टरों से सजाया गया है। इन पोस्टरों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए उत्साहवर्धन से लेकर उनके प्रशिक्षण के चित्रों तक शामिल हैं। पूरे मोहल्ले में जश्न जैसा माहौल है और लोग इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने को उत्साहित हैं।

शुभांशु ने रवाना होने से पहले कहा, "इस मिशन का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य और गर्व की बात है।" उनका यह कदम भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में और ऊंचाई पर ले जाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

श्रावस्ती में फर्जी दस्तावेज बनाने का गिरोह बेनकाब, एक गिरफ्तार

यूनिक समय, श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में फर्जी दस्तावेज बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। नेपाल सीमा से सटे सिरसिया थाना क्षेत्र में संचालित इस अवैध गतिविधि में आय, जाति, निवास प्रमाणपत्र और आधार कार्ड जैसे सरकारी दस्तावेजों को जालसाजी से तैयार किया जा रहा था। सोमवार को एसओजी (विशेष ऑपरेशन ग्रुप) टीम और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार युवक की पहचान प्रवीण कुमार मिश्रा निवासी लालपुर कुशमहवा, मजरा तकिया के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे पंडित अर्जुन प्रसाद पब्लिक स्कूल, बालापुर में छापेमारी कर पकड़ा। उसके पास से दो लैपटॉप, दो मोबाइल फोन, एक प्रिंटर, दो फिंगर स्कैनर, नकली जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, आधार एनरोलमेंट स्लिप और ₹20,400 नकद बरामद किए गए हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी वर्ष 2019 से यह फर्जीवाड़ा कर रहा था। वह स्कूलों के बच्चों और नेपाल के नागरिकों के लिए फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनाकर आधार कार्ड तैयार करता था। गूगल की वेबसाइट की मदद से वह आधार कार्ड अपडेट और तैयार करता था। इसके लिए वह मोटी रकम वसूलता था। एएसपी मुकेश चंद्र उत्तम के अनुसार, आरोपी उपफ्र पोर्टल पर फर्जी आईडी बनाकर जन्म प्रमाणपत्र बनाता था। वह भारत–नेपाल सीमा क्षेत्र के उन लोगों के लिए भी दस्तावेज बनाता था जिनकी संपत्ति दोनों देशों में है। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है और उसके सहयोगियों की तलाश जारी है।

उन्नाव सड़क हादसा

तेज रफ्तार वैन बिजली के पोल से टकराई

दूल्हे के पिता और चालक की बेटी की मौत, सात घायल

यूनिक समय, उन्नाव। उन्नाव जिले के दही–मोहनलालगंज मार्ग पर रविवार रात दर्दनाक हादसा हो गया। दरोगाखेड़ा गांव के पास एक तेज रफ्तार वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बिजली के पोल से टकरा गई। इस दुर्घटना में दूल्हे के पिता अर्जुन सिंह (65) और वैन चालक की चार वर्षीय बेटी आरुषि की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, सोनिक गांव निवासी अर्जुन सिंह के बेटे बृजेश की शादी मौरावां के दिग्गजखेड़ा गांव में रविवार को संपन्न हुई थी। शादी के बाद रात करीब 9 बजे बारात विदा हुई। अर्जुन सिंह अपने नाती–नातिन तथा अन्य रिश्तेदारों के साथ वैन से लौट रहे थे। वाहन में मौजूद अन्य लोग थे झ्र आरवी (8), गोलू (5), आकांक्षा (14), प्रिया (8), सोनू (34), जितेंद्र उर्फ सरवन (28), और वैन चालक विजेंद्र सिंह (45)।

दुर्घटना के तुरंत बाद सभी घायलों को एंबुलेंस द्वारा जिला अस्पताल पहुँचाया गया। डॉक्टरों ने अर्जुन सिंह और आरुषि को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का इलाज चल रहा है।

दही थाना प्रभारी संजीव कुशवाहा ने पुष्टि की कि घटना में कुल नौ लोग शामिल थे, जिनमें से दो की मौत हो चुकी है और बाकी घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

बरेली में बुर्का उतारने का दबाव, हैदरी दल के खिलाफ मामला दर्ज

यूनिक समय, नई दिल्ली। बरेली के गांधी उद्यान में समुदाय विशेष की युवतियों को बुर्का उतारने के लिए धमकाने और सार्वजनिक रूप से परेशान करने की घटना ने लोगों को झकझोर दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए तीन वीडियो में कुछ युवक खुद को "हैदरी दल" का सदस्य बताते हुए युवतियों से बदसलूकी करते नजर आए। इन वीडियो को इंस्टाग्राम पर 'सोफियान' नामक आईडी से पोस्ट किया गया था, जिसके बायो में "हैदरी दल बरेली" लिखा था।

वीडियो में दिख रहा है कि एक दाढ़ी वाला युवक अपने साथियों के साथ युवतियों से पूछताछ कर रहा है और उन पर बुर्के उतारने का दबाव डाल रहा है, जबकि युवतियां विरोध कर रही हैं। पुलिस ने इसका संज्ञान लेते हुए कोतवाली थाने में वैमनस्यता फैलाने व महिलाओं को परेशान करने का मामला अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज किया है। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद संबंधित सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट कर दिया गया।जांच में यह भी सामने आया कि हैदरी दल से जुड़े कुछ सदस्य स्वयं सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो पोस्ट करते हैं, जिनमें वे दूसरे समुदाय की युवतियों की शादी अपने समुदाय के युवकों से कराते दिखते हैं। इससे सामाजिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका जताई जा रही है।

आरोपी पहचान में आए

पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। सीओ प्रथम आशुतोष शिवम के अनुसार, कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यूपी पंचायत चुनाव 2025 : सपा अलर्ट मोड में

आरक्षण और परिसीमन पर पैनी नजर, जिलावार सौंपी गईं जिम्मेदारियां

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2025 में होने वाले पंचायत चुनावों को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी अब पूरी तरह अलर्ट मोड में है और आरक्षण एवं परिसीमन की प्रक्रिया पर विशेष निगरानी रखने का निर्णय लिया गया है। सपा का मानना है कि सत्ताधारी दल इन तकनीकी प्रक्रियाओं का उपयोग अपने पक्ष में करने की कोशिश कर सकता है, जिसे रोकने के लिए पार्टी ने व्यापक रणनीति तैयार की है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पहले ही यह संकेत दिया है कि भाजपा सरकार डाटा और तकनीक की मदद से चुनावी गणित को प्रभावित करने की कोशिश कर सकती है। उन्होंने आशंका जताई है कि ग्राम पंचायत परिसीमन में जातीय आंकड़ों को बदलकर सत्ताधारी दल पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) समीकरण को कमजोर करने की रणनीति पर काम कर सकता है। इसे देखते हुए सपा ने प्रदेशभर में पार्टी पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं। हर जिले में एक टीम बनाई गई है जो आरक्षण और परिसीमन से संबंधित दस्तावेजों पर नजर रखेगी। वहीं, प्रदेश मुख्यालय पर वरिष्ठ नेताओं की टीम भी इस कार्य में जुटी है, जो किसी भी गड़बड़ी की जानकारी मिलते ही चुनाव आयोग को सूचित करेगी।

इसके अलावा, पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे अपने स्थानीय अधिकारियों के समक्ष आरक्षण संबंधित मामलों में प्रभावी ढंग से अपनी बात रख सकें। सपा का स्पष्ट कहना है कि अगर किसी भी स्तर पर गड़बड़ी सामने आती है, तो चुनाव आयोग से लेकर न्यायालय तक सभी विकल्पों का उपयोग किया जाएगा।

जंगल के बीच स्थित लक्कड़शाह सहित चार मजारें ध्वस्त

यूनिक समय, लखनऊ। बहराइच के कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के मूर्तिहा रेंज में वन विभाग की टीम ने चार मजारें बुलडोजर लगाकर हटवा दी। मजार के जिम्मेदार कोई कागज नहीं दे सके। बहराइच के कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के मूर्तिहा रेंज में जंगल के बीच स्थित लक्कड़शाह, भंवरशाह, चमनशाह और शहंशाह मजार को वन विभाग ने बुलडोजर से हटवा दिया। डीएफओ बी. शिवशंकर ने बताया कि बेदखली की नोटिस दी गई थी। मजारें बाघ बाहुल्य स्थान पर स्थित थी। मजार के जिम्मेदार सिर्फ 1986 का एक कागज दे सके लेकिन 1986 से पहले ये जमीन किसकी थी, इस संबंध में कुछ भी बता नहीं सके। जिसके बाद सुनवाई कर कार्रवाई की गई है।

सार संक्षेप

रेल मंत्री या 'रील' मंत्री : आदित्य ठाकरे

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई लोकल में यात्रियों की मृत्यु पर आदित्य ठाकरे बोले, रेल मंत्री का ध्यान वास्तविक मुद्दों पर नहीं है। हमें नहीं पता कि वे रेल मंत्री हैं या चलचित्र मंत्री।

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को पदोन्नति

यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को सेना के उप प्रमुख (रणनीति) पद पर पदोन्नत किया गया। वे सैन्य अभियानों के महानिदेशक बने रहेंगे।

आईएमएफ आंकड़ों में भारत चौथे स्थान पर : जे.पी. नड्डा

यूनिक समय, नई दिल्ली। जेपी नड्डा बोले, 11 वर्षों में भारत 10वें से पाँचवें और अब अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार चौथे स्थान पर पहुंचा। भारत विश्व की सबसे तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था है।

मोदी सरकार ने लोकतंत्र को क्षति पहुँचाई : खरगे

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बोले, मोदी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने–बाने को गहरा आघात पहुँचाया है।

यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा न्यायिक हिरासत में

यूनिक समय, नई दिल्ली। जासूसी के आरोप में गिरफ्तार इंटरनेट प्रसारणकर्ता ज्योति मल्होत्रा को न्यायालय ने पुनः 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा।

अमरनाथ यात्रा टेंडर पर सर्वोच्च न्यायालय ने तत्काल सुनवाई से इनकार किया

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रा के कचरा प्रबंधन निविदा मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया।

सुकमा में विस्फोट, सहायक पुलिस अधीक्षक सहित कई घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुकमा जिले में दबाव–संचालित विस्फोटक विस्फोट में सहायक पुलिस अधीक्षक आकाश राव सहित कई अधिकारी घायल हुए।

आरंभिक व्यापार में सेंसेक्स में 480 अंकों की वृद्धि

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रारंभिक कारोबार में सेंसेक्स 480 अंक बढ़कर 82,669 पर पहुंचा, निफ्टी में भी 157 अंकों की तेजी देखी गई।

शिव राज्याभिषेक दिवस पर मुख्यमंत्री फडणवीस की शुभकामनाएँ

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिव राज्याभिषेक दिवस की बधाई दी। भारत गौरव विशेष रेल यात्रा का

मेघालय हनीमून मर्डर केस का खुलासा

पत्नी सोनम ने ही कराई राजा रघुवंशी की हत्या, चार गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। मेघालय में हनीमून मनाने गए इंदौर के युवक राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। मेघालय पुलिस ने बताया कि राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी ने ही हत्या की साजिश रची थी और भाड़े के हत्यारों को बुलवाकर अपने पति की हत्या करवाई। इस मामले में सोनम समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

डीजीपी आई. नोंग्रांग ने सोमवार सुबह जानकारी दी कि सोनम ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में आत्मसमर्पण कर दिया। उसे प्राथमिक इलाज के बाद वन स्टॉप सेंटर भेजा गया। पुलिस के अनुसार, 23 मई को यह घटना घटी थी। शुरुआत में राजा और सोनम दोनों के लापता होने की खबर थी, लेकिन 2 जून को राजा का शव एक 150 फीट गहरी खाई से मिला।

एसआईटी की जांच में सामने आया कि राजा के सिर पर धारदार हथियार से हमले के निशान थे। पुलिस ने इस मामले में तीन हत्यारों झ ललितपुर के 19 वर्षीय आकाश राजपूत, इंदौर के विशाल सिंह चौहान (22) और राज सिंह कुशवाहा (21) को गिरफ्तार किया। सोनम की भूमिका भी प्रमुख बताई गई है, क्योंकि वह लंबे समय तक फरार रही और उसी ने इन हत्यारों से संपर्क किया था।मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने बताया कि पुलिस को सात दिनों में इस हत्याकांड में बड़ी सफलता मिली है। अब भी एक आरोपी की तलाश जारी है। गौरतलब है कि इस मामले की कड़ी में एक पर्यटक गाइड का बयान भी सामने आया था, जिसमें उसने बताया कि 23 मई को राजा और सोनम तीन अन्य युवकों के साथ देखे गए थे। सभी हिंदी में बात कर रहे थे और महिला (सोनम) उनके पीछे चल रही थी। इस हत्या के पीछे के मकसद की जांच जारी है, लेकिन पुलिस को शक है कि सोनम और एक आरोपी राज कुशवाहा की आपसी मिलीभगत इस साजिश की जड़ में हो सकती है।

दिल्ली के नांगलोई में घर की छत अचानक गिरने से 8 साल के बच्चे की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के नांगलोई इलाके में सोमवार सुबह एक मंजिला घर की छत अचानक भरभराकर गिर गई, जिससे मलबे के नीचे कई लोग दब गए। इस हादसे में आठ साल के एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ। घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली अग्निशमन सेवा की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। पुलिस के अनुसार, घर की छत पर बना शौचालय अचानक नीचे बरामदे में गिर गया, जिसके कारण पूरी छत भी टूट कर गिर गई। मृतक बच्चा एक दिहाड़ी मजदूर का बेटा था और परिवार उत्तर प्रदेश के पीलीभीत का रहने वाला है। परिवार घर में किराएदार के तौर पर रह रहा था। घर की इस दुर्घटना में परिवार के अन्य सदस्य सुरक्षित रहे। रेस्क्यू टीम ने मलबे के नीचे दबे दो लोगों को बचाया। घायल 45 वर्षीय साबिर को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल भेजा गया। गंभीर रूप से घायल बच्चे को संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महाराष्ट्र के ठाणे में ट्रेन हादसा

चलती लोकल ट्रेन से गिरे यात्री पांच की दर्दनाक मौत, छह घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। भारी भीड़ के कारण मुंब्रा और दिवा स्टेशनों के बीच चलती लोकल ट्रेन से कई यात्री गिर गए। इस घटना में पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि छह यात्री घायल हो गए हैं। घायलों को कलवा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सेंट्रल रेलवे के सीपीआरओ स्वप्निल धनराज नीला ने बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब कसारा की ओर जा रही लोकल ट्रेन में अत्यधिक भीड़ थी। यात्रियों ने ट्रेन के दरवाजों और फुटबोर्ड पर खड़े होकर यात्रा की, जिससे विपरीत दिशा से आ रही ट्रेन से उनकी टक्कर हो गई और वे नीचे गिर पड़े। गार्ड द्वारा दी गई सूचना के आधार पर राहत कार्य शुरू किए गए।

रेलवे ने स्पष्ट किया कि यह कोई ट्रेन टक्कर नहीं थी, बल्कि दो ट्रेनों के बहुत पास से गुजरने और यात्रियों के बाहर लटकने के कारण यह दुर्घटना हुई। रेलवे के पास इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी मौजूद है।

राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना को बेहद दुखद बताया और रेलवे प्रशासन से यात्री सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की अपील की है। शिवसेना सांसद नरेश म्हास्के ने हादसे की जांच की मांग की है कि क्या भीड़भाड़ या किसी धक्का-मुक्की के चलते यह हादसा हुआ। यह हादसा उपनगरीय ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है।

केरल तट के पास सिंगापुर फ्लैग जहाज में विस्फोट

यूनिक समय, नई दिल्ली। केरल तट के पास सोमवार सुबह सिंगापुर के झंडे वाले कंटेनर जहाज एमवी वान हाई 503 में अंडरडेक विस्फोट की खबर सामने आई है। हादसे की सूचना मिलते ही भारतीय नौसेना ने आईएनएस सूरत को तुरंत राहत और बचाव कार्य के लिए डायवर्ट किया।

रक्षा जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) के अनुसार, यह घटना 9 जून को सुबह लगभग 10:30 बजे सामने आई, जब मुंबई समुद्री संचालन केंद्र (एमओसी) ने कोच्चि स्थित एमओसी को जहाज पर विस्फोट की सूचना दी। बताया गया है कि यह जहाज 270 मीटर लंबा है और इसका ड्राफ्ट 12.5 मीटर है। यह सिंगापुर फ्लैग शिप 7 जून को कोलंबो से रवाना हुआ था और इसे 10 जून को मुंबई पहुंचना था।

घटना के तुरंत बाद, नौसेना की पश्चिमी कमान ने कार्रवाई करते हुए

नौसेना ने बचाव कार्य शुरू किया

सुबह 11 बजे आईएनएस सूरत को कोच्चि के बजाय दुर्घटनास्थल की ओर मोड़ा। साथ ही, कोच्चि स्थित आईएनएस गरुड़ से एक नौसेना डोर्नियर विमान को भी भेजने की योजना बनाई जा रही है ताकि स्थिति का हवाई आकलन किया जा सके और आवश्यक समन्वय किया जा सके।

फिलहाल विस्फोट के कारण और उसकी गंभीरता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। भारतीय नौसेना स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए है और किसी भी संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

यह घटना समुद्री सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण मानी जा रही है, और इससे जुड़े सभी पहलुओं की विस्तृत जांच की जाएगी।

पटना में खौफनाक वारदात

पुरानी रंजिश में मां–बेटी की हत्या

पिता गंभीर रूप से घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत न्यू अरफाबाद कॉलोनी सोमवार की सुबह गोलियों की आवाज़ से दहल उठा। दिनदहाड़े हुए इस सनसनीखेज हमले में मां–बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि परिवार के मुखिया गंभीर रूप से घायल हो गए। वारदात के पीछे पुरानी रंजिश को वजह बताया जा रहा है।

मृतकों की पहचान रिटायर्ड नर्स महालक्ष्मी देवी और उनकी बेटी सिंहली कुमारी के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल उनके पति घनंजय मेहता को नाजुक हालत में नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सोमवार सुबह कुछ अज्ञात हमलावर अचानक कॉलोनी में पहुंचे और ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं।

गोलीबारी की आवाज़ सुनकर स्थानीय लोग घटनास्थल की ओर दौड़े, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। पुलिस को सूचना मिलते ही आलमगंज थाने की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

परिजनों ने बताया कि मृतक परिवार को लंबे समय से जान का खतरा था और कई बार धमकियां भी मिल चुकी थीं। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि इस वारदात के पीछे पुरानी रंजिश और पारिवारिक विवाद की भूमिका हो सकती है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए एएसपी अतुलेश झा स्वयं मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि फिलहाल कुछ संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। थानाध्यक्ष राहुल कुमार ठाकुर ने कहा कि घायल के बयान के बाद मामले की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

इस वीभत्स घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय लोगों ने अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

झुंझुनूं : चलती बस से उतरना पड़ा भारी

युवक की दर्दनाक मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ कस्बे में रविवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया। झुंझुनूं निवासी समीर पुत्र इमरान चलती रोडवेज बस से उतरने की कोशिश कर रहा था, लेकिन संतुलन बिगड़ने के कारण वह नीचे गिर पड़ा और बस के पिछले पहिए के नीचे आ गया। गंभीर रूप से घायल समीर को तुरंत नवलगढ़ अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। यह पूरा हादसा पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है।

बताया जा रहा है कि समीर किसी काम से नवलगढ़ आया था। इस हादसे ने एक बार फिर ट्रैफिक नियमों के पालन की ज़रूरत को उजागर किया है। भारत में 2022 के आंकड़ों के अनुसार हर दिन 461 लोग सड़क हादसों में जान गंवाते हैं, जिनमें अधिकतर ओवरस्पीडिंग और लापरवाही प्रमुख कारण हैं।

आगरा में बाबा साहब का एआई से बनाया ऐसा वीडियो, मच गया बवाल

यूनिक समय, आगरा। आगरा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से बनाया गया एक आपत्तिजनक वीडियो तेजी से वायरल हो गया, जिसमें संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर को एक आपत्तिजनक रूप में दिखाया गया था। यह वीडियो आगरा के सिकंदरा थाना क्षेत्र के एक युवक द्वारा इंस्टाग्राम पर अपलोड किया गया था, जिससे सोशल मीडिया पर भारी बवाल मच गया।

जानकारी के अनुसार, गैलाना निवासी शिवम सिंह नामक युवक ने 'जिद्दी ठाकुर' नाम की इंस्टाग्राम आईडी से यह वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो में एक युवक भगवा पगड़ी पहने हुए दिखाई देता है, जो बाबा साहब पर हथौड़े से हमला कर रहा है। वीडियो में 'जय राजपूताना' भी लिखा हुआ था। जैसे ही यह वीडियो वायरल हुआ, पुलिस हरकत में आ गई और तत्काल प्रभाव से उक्त इंस्टाग्राम आईडी से वीडियो डिलीट करवाया गया।

सिकंदरा थाना प्रभारी ने बताया कि वीडियो पूरी तरह से फर्जी और

युवक के खिलाफ केस दर्ज

भड़काऊ है, जो समाज में वैमनस्य फैलाने का काम कर सकता है। पुलिस ने आईटी एक्ट और संबंधित धाराओं में शिवम सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

फिलहाल पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर इस प्रकार की गतिविधियों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, और दोषियों को सख्त सजा दिलाई जाएगी।

मथुरा जंक्शन पर गुम हुए 50,000 रुपये की बरामदगी

बरामद राशि को लौटाते जीआरपी के अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। मदनमोहन पुत्र फूलचन्द निवासी राधा सिटी, गोवर्धन, मथुरा ने रेलवे स्टेशन मथुरा जंक्शन पर 50,000 गुम होने की सूचना दी। उनका कहना था कि उन्होंने यह राशि अपनी जेब में रखी थी, लेकिन किसी समय यह गुम हो गई। पुलिस अधीक्षक रेलवे आगरा के मार्गदर्शन में जीआरपी मथुरा जंक्शन की टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए शमरूद्दीन पुत्र स्व. इतवारी निवासी कृष्णानगर, मथुरा के सहयोग से सर्कुलेटिंग एरिया से गुम हुई

जीआरपी की तत्परता सराहनीय

50,000 की राशि बरामद की। बरामदगी के बाद, मदनमोहन ने थाना जीआरपी मथुरा जंक्शन पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना की और धन्यवाद ज्ञापित किया। इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि जीआरपी मथुरा जंक्शन की टीम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से लेकर त्वरित समाधान प्रदान करने में सक्षम है।

ट्रेन से गिरकर युवक की दर्दनाक मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे इलाके में ट्रेन से गिरने के कारण एक युवक बुरी तरह से घायल हो गया, जिसकी बाद में मौत हो गई। हाईवे थाना इलाके से गुजरने वाली रेलवे लाइन के किनारे एक युवक का शव पड़ा हुआ था। ट्रेन से गिरने के कारण उसके सिर में गहरी चोट थी। इसके साथ ही उसका पैर भी ट्रेन से कट गया था। मौके पर पहुंची हाईवे पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस पर मृतक के साले इकबाल ने बताया कि म्तक मौहम्मद खान निवासी दुर्गपुर कालोनी मुरैना का है। उसने वृंदावन के धौरेरा इलाके में कुछ साल पहले से मकान बना रखा है। वह कल ट्रेन से मथुरा आ रहा था।

शहीद की पत्नी ने पड़ोसी पर लगाया मारपीट का आरोप

यूनिक समय, कोसीकलां। यूपी-हरियाणा बॉर्डर स्थित गांव एलवाडा निवासी शहीद बच्चू सिंह की पत्नी कमलेश ने अपने पड़ोसी पर अभद्र व्यवहार और मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत लेकर जांच शुरू कर दी है। शिकायत में पीड़िता ने आरोप लगाया कि गांव का ही रहने वाला राकेश उन्हें प्रताड़ित कर रहा है। उसके घर के सामने गंदगी डालना, अभद्रता करना उसकी आदत हो गई है। जब इसको लेकर उसके 90 वर्षीय ससुर धर्मवीर एवं देवर मानसिंह ने विरोध किया तो उसने अपने परिजनों के साथ घर में घुसकर मारपीट कर दी। उन्होंने न्याय की गुहार लगाते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

उठावनी

अत्यंत दुखः के साथ सूचित करना पड़ रहा है, कि हमारे पूज्य पिताजी श्री किशोरी लाल गंगवानी पुत्र स्व. श्री पोहुमल गंगवानी जी का स्वर्गवास दिनांक 08.06.2025 को हो गया है, जिनकी उठावनी दिनांक 10.06.2025 दिन मंगलवार को शाम 4 से 5 तक महिलाओं एवं पुरुषों की गोदड़ी वाला धाम डेम्पीयर नगर, मथुरा में होगी।

शोकाकुल

विशाल गंगवानी, दिलीप गंगवानी (पुत्रगण) रेशमा गंगवानी (पत्नी)

किशनलाल, नारायण दास, त्रिलोकी नाथ, तोलाराम, दिनेश (भाई)

फर्म : बी.एच.आर कन्सलटिंगस, जी. के. प्रोडक्टस, आर. के. स्टेशनरी, प्रेमदीप गारमेंट्स, सोना किचन (भोपाल)

84473 11031, 9760045838, 9997666341

कोसी देहात में डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से होंगे विकास कार्य

विकास कार्यों का शिलान्यास करते मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी।

संवाददाता

यूनिक समय, कोसीकलां। डबल इंजन की सरकार में छाता विधानसभा क्षेत्र चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर है। इसी क्रम में कोसी देहात में जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) के अंतर्गत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से शुरू होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया। मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी ने नारियल फोड़कर कार्य का शुभारंभ किया। श्री चौधरी ने बताया कि छाता विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिल रही है और आने वाले समय में जनता को इसका और भी लाभ मिलेगा। बताया कि यह कार्य कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण के नेतृत्व और प्रयासों से संभव हो पाया है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अजय गोयंका, अनिल, दीपक चौधरी, सतेंद्र ठाकुर, दीपक तथा आदि उपस्थित थे।

बिजौली राशन दुकान का मामला पहुंचा सीडीओ के सामने

तहसील मांट के सभागार के बाहर मौजूद गांव बिजौली के ग्रामीण।

यूनिक समय, मांट। ग्राम पंचायत बिजौली में राशन दुकान के प्रस्ताव को लेकर चल रहा विवाद अभी थमा नहीं है। सोमवार को दोनों पक्ष सम्पूर्ण समाधान दिवस में सीडीओ से मिले और अपना अपना पक्ष रखा। शुक्रवार को राशन डीलर के चयन के लिए बिजौली प्राथमिक स्कूल पर खुली बैठक हुई थी। पर बिना किसी निर्णय के बैठक को स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद शुक्रवार की दोपहर को राशन दुकान के प्रत्याशी दिनेश कुमार व दूसरे प्रत्याशी कुंदन सिंह के समर्थक तहसील पहुंचे थे। सोमवार को संपूर्ण समाधान दिवस के आयोजन में सीडीओ मनीष मीणा के आने की जानकारी मिलते ही दोनों पक्ष अपने दर्जनों समर्थकों के साथ तहसील सभागार के बाहर एकत्रित हो गए। इसके बाद सीडीओ ने दोनों पक्ष की बात सुनी। कुंदन सिंह ने सीडीओ को

दोनों पक्ष ने रखा अपना अपना पक्ष

बताया कि उनके पक्ष में 269 व दिनेश के पक्ष में मात्र 155 वोट थे, फिर भी प्रस्ताव नहीं लिखा गया। कुंदन पक्ष ने बताया कि दिनेश पक्ष ने कुछ बाहरी तत्वों को भी झगड़ा करने को बुला रखा था। दिनेश पक्ष ने सीडीओ को बताया कि बैठक में कुंदन पक्ष के लोग मारपीट पर उतारू थे। वहीं पर्याप्त पुलिस बल भी नहीं था, इसलिये अधिकारी बैठक से उठ कर चले गए। दिनेश पक्ष का कहना था कि पूर्व में उसके नाम का प्रस्ताव हो चुका था, पर उसे तहसील से लौटा दिया गया। सीडीओ ने दोनों पक्ष की बात सुनने के बाद जल्द पुनः आखिरी बैठक बुलाने के आदेश बीडीओ मांट को दिए हैं। साथ ही एक मजिस्ट्रेट व पर्याप्त पुलिस बल बैठक में भेजने की भी बात कही है।

नाले से शव बरामद, शिनाख्त के प्रयास

यूनिक समय, कोसीकलां। बठैनकलां से कोकिलावन रोड पर नाले में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा मिला। वह चार से पांच दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। संभवतः हरियाणा सीमा की तरफ से बहकर आया है। नाले में झाड़िया में फंसा हुआ है।

Accredited by: INS INDIA NEWSPAPER SOCIETY

UNICOM ADVERTISING

Unicom Digital Marketing Company

यूनिक समय हर खबर समय पर...

Info@unicomadvertising.com | Unicomadvertising.com 9837155888, 9837115157

MATHURA | NEW DELHI | AGRA | LUCKNOW | NOIDA | DEHRADUN

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053